चैत्र कृष्ण पक्ष- 12, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 248 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

15 मार्च 2026 रविवार

आज का मौसम

37.2 अधिकतम

18.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अल जरीदा ने लिखा - पुतिन की पहल पर इलाज और सुरक्षा के लिए खामेनेई को मॉस्को ले जाया गया

जंग के बीच कुवैत के अखबार का बड़ा दावा

तेहरान छोड़ रूस पहुंच गए मोजतबा खामेनेई!

वाशिंगटन डीसी/तेहरान/कुवैत सिटी. एजेंसी

ईरान-अमेरिका युद्ध को लेकर रूस की भूमिका पर लगातार चर्चा होती रही है लेकिन अब इससे जुडी बड़ी खबर कुवैत के एक अखबार अल जरीदा ने दी है। इसके अनुसार डोनाल्ड ट्रम्प और नेतन्याहू जिस मोजतबा खामेनेई के पीछे पड़े हैं, वे अपने देश में ही नहीं हैं। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के नए सुप्रीम लीडर को स्वास्थ्य और सुरक्षा कारणों से एक बेहद गुप्त अभियान में रूस ले जाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें रूसी सैन्य विमान से मॉस्को पहुंचाया गया, जहां उनका ऑपरेशन किया गया और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। बताया गया कि यह कदम उनकी खराब सेहत और सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए उठाया गया। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि हालिया हमलों में उन्हें चोटें आई थीं, लेकिन ईरानी अधिकारियों का कहना है कि वह सुरक्षित और ठीक हैं और उनका इलाज जारी है.

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस का सैन्य विमान मोजतबा खामेनेई को लेक गुरुवार को ही मॉस्को आ गया पहुंच गया था। कहा ये भी जा रहा है कि उन्हें राष्ट्रपति भवन में मौजूद अस्पताल में भर्ती कराया गया। बमबारी और हवाई हमलों के बीच उनका इलाज असंभव होने के कारण उन्हें ईरान से निकालने का निर्णय लिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया कि पुतिन ने उन्हें अपने यहां शरण देने की पेशकश की, जिसके बाद वे वहां पहुंचे और जाते ही उनकी सफल सर्जरी हुई। सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि ईरानी सिक्योरिटी एजेंसीज को खामनेई की लोकेशन लीक होने का खतरा सबसे ज्यादा था, इसीलिए उन्हें मॉस्को शिफ्ट किए जाने की सिफारिश पर सहमति जताई गई। दावा किया गया है कि खुद पुतिन ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियन के साथ बातचीत के दौरान ये प्रस्ताव रखा था। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खामेनेई की स्थिति को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता कि मोजतबा खामेनेई जिंदा हैं या नहीं। ट्रंप का यह बयान उस समय आया जब ईरान, इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के बीच उनके घायल होने की खबरें आईं। एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा - 'मुझे नहीं पता कि वह जिंदा भी हैं या नहीं। अभी तक किसी ने उन्हें दिखाया नहीं है। मैं सुन रहा हूं कि शायद वह जिंदा नहीं हैं। अगर वह जिंदा हैं तो उन्हें अपने देश के लिए समझदारी दिखाते हुए आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि खामेनेई किसी भी रूप में जिंदा हो सकते हैं लेकिन उनकी चोटों को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं।

ईरान बोला

सुप्रीम लीडर बिलकुल ठीक

इस बीच ईरान ने कहा है कि मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि खामेनेई सामान्य रूप से अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि मुजतबा 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हो गए थे। इसके बाद से वे कोमा में हैं और उनका एक पैर भी काटना पड़ा है। उधर राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से तेल लेने वाले देशों को इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका अन्य देशों के साथ मिलकर इस रास्ते को सुरक्षित रखने के लिए काम करेगा।

आशंका... दावा सही साबित हुआ तो अमेरिका और रूस के बीच तनाव बढ़ेगा

ट्रम्प बोले - ईरान समझौता चाहता है पर शर्तें अच्छी नहीं

सीजफायर को लेकर ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान एक समझौता करना चाहता है लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता क्योंकि इसकी शर्तें अभी उतनी अच्छी नहीं है। उन्होंने आगे दावा करते हुए कहा, हमने खार्ग द्वीप को पूरी तरह तबाह कर दिया है, हम उस पर और कई बार हमला कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता पूरी तरह से नष्ट हो गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि ईरान के लिए एक-दो ड्रोन भेजना, माइन अटैक करना या होर्मुज स्ट्रेट के आसपास कम दूरी की मिसाइल दागना आसान है, भले ही वह कितनी भी बुरी तरह हार गया हो।

'नेतन्याहू को ढूंढकर मारेंगे'

युद्ध के बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बयान जारी कर कसम खाई है कि वे अपने सर्वोच्च नेता की मौत का बदला लेने के लिए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ढूंढेंगे और उन्हें मार डालेंगे। उधर इजराइल कहा है कि नेतन्याहू की हत्या का दावा फर्जी है। एक वीडियो में 6 अंगुलियां दिखने के बाद मौत की अटकलें थीं। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में उनकी हत्या या देश छोड़ने का दावा किया गया, लेकिन पीएम ऑफिस ने इन्हें पूरी तरह फर्जी बताया है।दावा किया गया कि ईरान के हमले में नेतन्याहू की हत्या हो गई या वे जर्मनी भाग गए हैं। पीएम कार्यालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षित हैं और ऐसी खबरें फेक न्यूज हैं।

खार्ग व्दीप पर ट्रम्प के खतरनाक इरादों में भारी जोखिम की आशंका

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति अपने तमाम निकटतम सलाहकारों की राय को नजर अंदाज का रहे हैं। जंग से पीछे हटना तो दूर, वह ऐसे कदम उठा रहे हैं जिससे जंग थमने के बजाए और भी विस्तार के साथ भयावह खतरों की तरफ बढ़ रही है। अमेरिका द्वारा खार्ग के सैन्य ठिकानों पर हमला करने अब उसके तेल ठिकानों को तबाह करने की धमकी बेहद जोखिम भरी है। खार्ग तेल ठिकानों पर हमले हुए तो चीन और रूस खुलकर ईरान के पक्ष में खड़े हो सकते हैं। खार्ग से हर दिन लाखों बैरल तेल निर्यात के चलते ईरानी अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा इसी पर टिका है। इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा कहते हैं। यहां से हर दिन लाखों बैरल तेल दुनिया के बाजारों तक जाता है। यहां बड़े तेल टर्मिनल, विशाल स्टोरेज टैंक और निर्यात पाइपलाइन मौजूद हैं।

खार्ग व्दीप हर्मुज की खाड़ी से मात्र तीस किलोमीटर दूर ईरान के दक्षिण मे स्थित है। कहने को इसका आकार 20 वर्ग किलोमीटर ही है। ईरान यहीं से अपने कुल तेल उत्पादन का 90 फीसदी चीन और यूरोप के कई देशों को निर्यात करता है। इसमें सबसे ज्यादा निर्यात चीन को होता है। रूस से मिलने वाले तेल के मुकाबले यह ढाई गुना ज्यादा है। चीन को सस्ते में तेल मिलता है, क्योंकि उसने ईरान में पांच सौ अरब डॉलर का निवेश करके और गलियारा बनाकर रेल मार्ग के जरिए कारोबार के सपने संजो रखे हैं। खार्ग के ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले की प्रतिक्रया कुवैत और यूएई देशों के बंदरगाहों पर जवाबी हमले के रूप में सामने आई है। ईरान ने कहा है कि अमेरिका ने खार्ग पर अब हमले किए तो वह उसके सहयोगी खाड़ी देशों के तेल ठिकानों को नष्ट करेगा। इस बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति एंडी जोंस ने खुलासा किया है कि वह ईरान पर हमले के फैसले से सहमत नहीं थे। ट्रम्प ने इसे यह कहर खारिज कर दिया कि जोंस दार्शनिक नजरिया रखते हैं। अमेरिका की तकरीबन साठ फीसदी आबादी युद्ध रोकने के पक्ष में है तो व्हाइट हाऊस के एआई प्रमुख डेविड ओ साक्स ने भी ट्रम्प को सलाह दी है कि खेमनई और उनके करीबियों के सफाए को अपनी जीत बताकर जंग रोक दें। ट्रम्प ऐसा करने के बजाए हर्मुज की खाड़ी को ईरानी कब्जे से मुक्ति के लिए ब्रिटेन, फ्रांस, साऊथ कोरिया जापान और चीन से भी सहयोग मांग रहे हैं। क्या वह इस बात से अनजान हैं कि खार्ग पर हमले से चीनी मुखिया शी जिनपिंग और थाड डिफेंस प्रणाली की वापसी के ट्रम्प के फैसले से साऊथ कोरिया कितना नाराज है? फ्रांस ने उन्हें जंग के बजाए सुलह वार्ता का प्रस्ताव दिया है।

उधर ईरान ने अपने ब्रदरहुड देशों से हर्मुज की खाड़ी को दुश्मन देशों से मुक्ति दिलाने में सहयोग की अपील करके भारत को धर्मसंकट में डाला है। भारत अभी ईरान के साथ ही इजरायल और खाड़ी देशों से निरंतर संवाद कायम रहकर संतुलित रूख अपना रहा है। लेकिन ईरान की अपील की अनदेखी हुई तो उसके अटके तेल और गैस के जहाजों की निकासी मुश्किल हो सकती है। ट्रम्प का खार्ग को खाक करने का इरादा खतरनाक है। आधुनिक युद्धों में अक्सर पूर्ण कब्जे के बजाय आर्थिक और रणनीतिक दबाव के जैसे कदम ज्यादा मुफीद होते हैं। ट्रम्प यह समझ सकें तो उनके सियासी सफर, अमेरिका और पूरी दुनिया के लिए हितकारी होगा।

न्यूज विंडो

बादशाह से लॉरेंस गैंग बोला अब गोली माथे पर मारेंगे

नईदिल्ली। पिछले कुछ समय से कई सेलेब्स को धमकियां मिल रही हैं। अब खबर आ रही है कि इंडियन रैपर और सिंगर बादशाह को जान से मारने की धमकी मिली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह धमकी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से फोन कॉल के जरिए मिली है। फेसबुक पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है। रंदीप मलिक अनिल पंडित नाम का अकाउंट है जिसमें यह दावा किया गया है कि वो बिश्नोई गैंग से हैं। इसी पोस्ट में सिंगर को धमकी दी गई है। उसी पोस्ट में बिश्नोई गैंग ने गैरी और शैंकी के पानीपत ऑफिस में शटिंग की जिम्मेदारी भी ली। शूटिंग के पीछे की वजह बताते हुए उस पोस्ट में दावा किया गया कि वो हवाला में शामिल थे। उन्होंने फिर बाकी सबको वॉर्न किया जो हवाला एक्टिविटीज में शामिल हैं।

दिल्ली के नेचर बाजार में आग, 50 दुकानें खाक

नईदिल्ली। दक्षिण दिल्ली के अंधेरिया मोड़ इलाके में स्थित सुबह आग लग गई। इस घटना में करीब 50 दुकानें जलकर खाक हो गई। दिल्ली फायर सर्विसेज के अनुसार, आग लगने की सूचना सुबह 7:37 बजे मिली, जिसके बाद आग पर काबू पाने के लिए आनन-फानन में दमकल विभाग की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।आग लगने से सामान जलने के साथ इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। भीड़भाड़ वाले इस बाजार में आग तेजी से फैली और इलाके में चारों ओर धुएं का गुब्बार छा गया।

आज का कार्टून

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया लोकार्पण और भूमिपूजन

नेपानगर में जनजातीय सम्मेलन, 363 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज नेपानगर में आयोजित जनजातीय सम्मेलन में शामिल हुए । इस दौरान उन्होंने 363 करोड़ 82 लाख की लागत से होने वाले 127 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया । इन परियोजनाओं से बुरहानपुर और आसपास के क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम के तहत नेपानगर में जनजातीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें आदिवासी समुदाय के विकास और कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। सम्मेलन में 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के अंतर्गत एक विशेष कार्यशाला आयोजित की जा रही है जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी जनजातीय समाज के लोगों को सरकारी योजनाओं और उनके लाभ के बारे में बताएंगे।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में मौजूद जनजातीय समाज के लोगों से सीधे संवाद भी किया। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभ और प्रमाण-पत्र भी वितरित किए । कार्यक्रम स्थल पर कई विभागों की विकास प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इसमें कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, वन विभाग और आजीविका मिशन से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई है । राज्य सरकार का उद्देश्य जनजातीय बहुल क्षेत्रों में विकास योजनाओं को तेजी से लागू करना और स्थानीय लोगों को उनका पूरा लाभ दिलाना है। मुख्यमंत्री के इस दौरे से नेपानगर और आसपास के आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

घुसपैठ की साजिश नाकाम

पाकिस्तानी आतंकी ढेर, हथियार बरामद

जम्मू-कश्मीर. एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। नियंत्रण रेखा के पास बुच्छार इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी आतंकवादी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है।

भारतीय सेना की ओर से जारी बयान के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस को उरी सेक्टर के बुच्छार इलाके में आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश के बारे में पुख्ता खुफिया जानकारी मिली थी। इस इनपुट के आधार पर सेना और पुलिस ने एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान खुद को घिरा देख आतंकवादी ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने सटीक निशाना साधा और मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया।

शाम 4 बजे होगी आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का आज होगा एलान

नई दिल्ली/ कोलकाता. एजेंसी

चुनाव आयोग आज पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित कर सकता है। आज पश्चिम बंगाल की अंतिम मतदाता सूची के विरुद्ध अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि है। यह 28 फरवरी को प्रकाशित हुई थी जिसमें 6.4 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम दर्ज हैं।

असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में अंतिम मतदाता सूची के विरुद्ध अपील दाखिल करने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। संकेत मिल रहे हैं कि आगामी चुनाव 2021 की तुलना में कम चरणों में होंगे। पिछली बार पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में, असम में तीन चरणों में और तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में चुनाव हुए थे। कम समय में चुनाव कराने के लिए, चुनाव आयोग केंद्रीय बलों की तैनाती में भारी वृद्धि कर सकता है। पश्चिम बंगाल और असम में अलग - अलग चरणों में

मतदान होने की संभावना है, जबकि तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में हो सकता है। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है, इसलिए राज्य में मतदान अप्रैल से मई के आरंभ तक चलने की संभावना है। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में लगभग 60 लाख 'संदिग्ध' मतदाता मामलों का निपटारा भी जारी रखेगा, जिनका निपटारा कलकत्ता हाई कोर्ट के नियुक्त न्यायिक अधिकारी कर रहे हैं। न्यायाधिकरणों के समक्ष आगे अपील की जा सकती है। कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के निर्देशानुसार, स्वीकृत मामलों को शामिल करते हुए पूरक मतदाता सूचियां प्रकाशित की जाएंगी।

सौ आवारा कुत्तों की जहरीले इंजेक्शन देकर हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना में आवारा कुत्तों को मारे जाने की एक और घटना सामने आई है। मनचेरियल जिले में लगभग 100 कुत्तों को जहर देकर मार डाला गया। जनवरी से अब तक तेलंगाना में 1200 कुत्तों की हत्या की जा चुकी है। पशु कल्याण कार्यकर्ता ए गौतम ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा कि 7-8 मार्च की रात को किष्टापुर गांव में कुत्तों को जहर वाला इंजेक्शन देकर मार दिया गया।

मेट्रो एंकर | दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल के मामले में आया सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

विभागीय जांच के बिना सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त नहीं किया जा सकता

नईदिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में साफ़ कर दिया है कि किसी सरकारी कर्मचारी को बिना विभागीय जांच के सेवा से बर्खास्त करने की शक्ति केवल इस आधार पर इस्तेमाल नहीं की जा सकती कि जांच करना 'व्यावहारिक रूप से संभव नहीं' है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि जांच को टालने का निर्णय केवल अनुमान या आशंका के आधार पर नहीं, बल्कि ठोस सामग्री के आधार पर होना चाहिए। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की खंडपीठ दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसे बिना विभागीय जांच के सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस ने यह कहते हुए उसे

बर्खास्त कर दिया था कि उसके खिलाफ आपराधिक मामला लंबित है और विभागीय जांच होने पर वह गवाहों को धमका सकता है या प्रभावित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए कांस्टेबल की सेवा बहाल करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 311(2) के तहत सामान्य नियम यह है कि किसी सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त करने से पहले विभागीय जांच की जाए और उसे आरोपों का जवाब देने का उचित अवसर दिया जाए। अदालत ने कहा कि इस मामले में डीसीपी की रिपोर्ट में ऐसा कोई ठोस उदाहरण नहीं था जिससे यह साबित हो सके कि आरोपी ने गवाहों को धमकाया या प्रभावित किया। जब बर्खास्तगी का आदेश पारित किया गया, उस समय कांस्टेबल जेल में था और उसके खिलाफ गवाहों को धमकाने का कोई प्रमाण रिकॉर्ड पर मौजूद नहीं था। कोर्ट ने कहा कि विभागीय जांच को टालने का फैसला किसी अधिकारी के मात्र कथन पर आधारित नहीं हो सकता।

सेवा की निरंतरता भी मिलेगी

याचिकाकर्ता दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में कांस्टेबल के रूप में कार्यरत था। उसके खिलाफ डकैती और आपराधिक साजिश जैसे अपराधों के तहत एफआईआर दर्ज हुई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान ही डीसीपी ने सेवा से बर्खास्त कर दिया। कांस्टेबल ने पहले कैट में इस आदेश को चुनौती दी, जहां उसकी याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने भी उसके खिलाफ फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी आदेशों को रद्द करते हुए कांस्टेबल को सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया और कहा कि उसे सेवा की निरंतरता भी मिलेगी। चूंकि उसके खिलाफ आपराधिक मामला लंबित है, इसलिए अदालत ने बर्खास्तगी की तारीख से पुनर्नियुक्ति तक की अवधि के लिए केवल 50 फीसदी बैक वेज देने का आदेश दिया।

मटकों की खरीदारी शुरू

शहर में गर्मी का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। जैसे-जैसे तापमान ऊपर जा रहा है, वैसे-वैसे लोगों ने ठंडा और शुद्ध पानी पाने के लिए पारंपरिक मिट्टी के मटकों की खरीदारी शुरू कर दी है। शहर के अलग-अलग बाजारों और सड़क किनारे लगने वाली दुकानों पर इन दिनों मटकों की अच्छी खासी बिक्री देखने को मिल रही है। गर्मी के मौसम में मिट्टी के मटके का पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा रहता है, इसलिए लोग आज भी फ्रिज के पानी की बजाय मटके के पानी को ज्यादा पसंद करते हैं। यही कारण है कि बाजारों में छोटे-बड़े, डिजाइनदार और अलग-अलग आकार के मटके सजाकर रखे गए हैं, जिन्हें खरीदने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। मटके बेचने वाले दुकानदारों का कहना है कि जैसे ही मार्च का महीना शुरू होता है, मटकों की मांग बढ़ने लगती है। इस बार भी गर्मी की शुरुआत के साथ ही ग्राहकों की संख्या बढ़ गई है। कई लोग घर के साथ-साथ अपने दफ्तर और दुकानों के लिए भी मटके खरीद रहे हैं। बाजारों में 150 रुपये से लेकर 500 रुपये तक के मटके उपलब्ध हैं। इसके अलावा सुराही, मिट्टी के घड़े और पानी रखने के अन्य पारंपरिक बर्तन भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ-साथ आने वाले दिनों में मटकों की बिक्री और तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरतलब है कि आधुनिक तकनीक के दौर में भी मिट्टी के मटकों की उपयोगिता बरकरार है और हर साल गर्मी के मौसम में इनकी मांग बाजारों में साफ तौर पर दिखाई देती है।

कालाबाजी रोकने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट

घरेलू रसोई गैस की किल्लत में आई थोड़ी कमी लग रही कतार, लेकिन मिलने लगे सिलेंडर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में घरेलू रसोई गैस की किल्लत में पांचवे दिन थोड़ी कमी आई। हालांकि सिलेंडरों की कालाबाजारी खत्म नहीं हुई है। एजेंसियों पर रविवार को भी सिलेंडर लेने के लिए कतारें लगी रही। इनको विलंब से सही, लेकिन सिलेंडर दे दिया गया। जिन लोगों ने ऑनलाइन बुकिंग की थी, उनको घरों में सिलेंडर पहुंचाने का काम आज से वितरकों ने शुरू कर दिया है। अब उम्मीद है कि अगले 4-5 दिन में स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी। रविवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद लोग सुबह से एजेंसियों पर गैस सिलेंडर लेने पहुंचे, तो उनके लिए राहत भरी खबर मिली है कि सिलेंडर आसानी से मिलेंगे, हालांकि ग्राहकों को कुछ देर इंतजार करना होगा। वितरकों ने बताया कि तीनों कंपनी ने कल रात सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति की। जिससे आज मारामारी की नौबत नहीं आई। कई वितरकों ने तो तुरंत पर्चियां बनाकर सिलेंडर उफभोक्ता को दिए। प्रदीप गैस एजेंसी पर आए ग्राहक शकील ने बताया कि वितरण के लिए कतारें लगी,

लेकिन पर्चियां लेकर अन्य दिनों में जहां 2 से 3 घंटे लग रहे थे, वहीं एक घंटे में सिलेंडर मिल गया। गैस सिलेंडर के वितरण पर जिला प्रशासन की चौकसी आज भी रही। खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्देश पर विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी ने ऑइल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक लेकर घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑइल कंपनी के प्रतिनिधियों को सभी जिलों में एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति करने के निर्देशित किया। ताकि प्रदेश में एलपीजी गैस की निर्बाध उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 11 स्थानों पर कार्यवाही कर 228 सिलेंडर जब्त कर 03 प्रकरण पंजीबद्ध किया।

6 दिन से होटल-रेस्टोरेंट को एक भी सिलेंडर नहीं मिला

एमपी होटल एसोसिएशन अध्यक्ष सुमित सूरी ने बताया कि 6 दिन से किसी भी होटल-रेस्टोरेंट को एक भी कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई नहीं हुई है। अब तक जैसे-तैसे व्यवस्था बनाकर रखी, लेकिन शनिवार से कई होटल और रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने लगा है। जिन जगहों पर गैस बची है, वहां पर मेन्यू बदल दिया गया है। खासकर गैस पर ही पकने वाले व्यंजन को मेन्यु से हटा दिया है। गैस की बचत के लिए सुझाव भी दिए हैं। भोपाल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने बताया कि गैस की सप्लाई ठप होने से वैकल्पिक इंतजाम किए हैं। इंडक्शन और डीजल भट्?टी पर भोजन बना रहे हैं। राजधानी में अधिकांश होटल-रेस्टोरेंट संचालकों ने इंडक्शन, इलेक्ट्रिक ग्रिडल या फायर, इलेक्ट्रिक कुकर और स्टीमर आदि का उपयोग भी कर रहे हैं।

चश्मदीद बोला- गोलियां चलती रहीं, पुलिसकर्मी अंदर बैठे रहे

हमीदिया अस्पताल में हुई थी फायरिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में हुई फायरिंग की घटना को लेकर एक चश्मदीद सामने आया है। प्रत्यक्षदर्शी हेमराज का कहना है कि जब अस्पताल के इमरजेंसी गेट के बाहर गोलियां चल रही थीं, उस समय अंदर मौजूद पुलिसकर्मी बाहर आने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

हेमराज उज्जैन का रहने वाला है। उसके दामाद का विदिशा-सागर रोड पर एक्सीडेंट हो गया था। गंभीर रूप से घायल दामाद को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार सुबह करीब 6ञ्30 बजे वह अपनी पत्नी के साथ इमरजेंसी गेट के पास खड़ा था। हेमराज ने बताया कि एक्टिवा सवार तीन युवक पहुंचे। एक के हाथ में चाकू , दूसरे के हाथ में पिस्टल थी। तीसरा युवक गाड़ी पर बैठा रहा। दोनों इमरजेंसी गेट के पास पहुंचे और वहां खड़े व्यक्ति पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। करीब तीन राउंड फायर के बाद गालियां देते हुए फरार हो गए। हेमराज के मुताबिक, जिस व्यक्ति पर गोलियां चलाई गईं, उसे अस्पताल के गार्ड्स अंदर ले गए। उस समय इमरजेंसी वार्ड के अंदर पुलिसकर्मी मौजूद थे, लेकिन वे बाहर नहीं निकले। पूरी वारदात महज डेढ़-दो मिनट में अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और मरीजों के परिजन इधर-उधर भागते नजर आए।

हिस्ट्रीशीटर लल्लू रईस ने भी जारी किया वीडियो: घटना के बाद हिस्ट्रीशीटर लल्लू रईस की ओर से भी एक वीडियो जारी किया गया। इसमें उसने दावा किया कि फायरिंग के बाद अशोका गार्डन पुलिस उसे छोड़कर चली गई थी। हमीदिया अस्पताल के गार्ड्स ने उसकी जान बचाई। उस समय अशोका गार्डन पुलिस इमरजेंसी वार्ड में मौजूद थी, क्योंकि उसका बेटा घायल होने के बाद मेडिकल परीक्षण के लिए वहां लाया गया था। कोहेफिजा थाने के प्रभारी केजी शुक्ला ने बताया कि हमीदिया अस्पताल में राउंड द क्लॉक सुरक्षा व्यवस्था रहती है। चार्ली के जवान लगातार यहां गश्त करते हैं। हालांकि गश्त अस्पताल परिसर में किया जाता है और वहीं से लौट जाते हैं।

हाईकोर्ट ने यूनियन कार्बाइड के दूषित भूजल का मांगा ब्यौरा

23 मार्च तक देना होगा जवाब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री को लेकर हाईकोर्ट ने सरकार से कार्ययोजना मांगी है। एक गैर-सरकारी संगठन की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह शुक्रवार को निर्देश दिया है। जिसके बाद फैक्ट्री के आसपास के दूषित मिट्टी और भूजल के ऑकलन और ठीक करने संबंधी कार्ययोजना का ब्योरा 23 मार्च तक मांगा गया है।

याचिका में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के दूषित मिट्टी और भूजल के उपचार और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की गई थी। सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह और अजय कुमार निरंकारी की पीठ ने यह निर्देश दिये गये हैं। इसके पहले मामले में जबाव के लिये कुछ समय मांगते हुए राज्य सरकार की तरफ से पेश किये गये शपथपत्र में बताया कि दूषित मिट्टी-भूजल के आंकलन और आसपास के क्षेत्र की सफाई के लिए टेंडर सहित उपचार योजना पर काम चल रहा है। यह गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के उप सचिव कृष्णकांत दुबे की ओर से प्रस्तुत किया गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने अगली सुनवाई के लिये 23 मार्च का समय तय कर दिया है। खासबात यह है कि बंद हो चुकी यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से निकला 337 टन जहरीला कचरा एक जनवरी, 2025 को भोपाल से पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया और जून 2025 के अंत तक एक निजी अपशिष्ट उपचार संयंत्र में पूरी तरह से जला दिया गया। बावजूद इसके फैक्ट्री स्थल की दूषित मिट्टी और उससे कुछ मीटर की दूरी पर स्थित तीन तालाब की शुद्धता को लेकर गैस पीड़ित संगठन मोर्चा खोले हुए हैं। सरकार द्वारा दिए गए शपथपत्र में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि राज्य सरकार ने 87.74 एकड़ भूमि (यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री स्थल) का उपयोग स्मारक की स्थापना सहित अन्य उद्देश्यों के लिए करने का निर्णय लिया है। इसके लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी। निगरानी समिति ने मिट्टी और भूजल प्रदूषण, साथ ही पारे के रिसाव और भूजल में जमा हुए कचरे की मात्रा निर्धारित करने के लिए नए अध्ययन का सुझाव दिया है। राज्य सरकार ने इसके लिए एजेंसी की पहचान और अंतिम रूप देने सहित कार्य योजना बताई है।

चैत्र नवरात्र में निकलेगी 521 मीटर की विशाल चुनरी यात्रा, मां कालिका मंदिर में होगी अर्पित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

चैत्र नवरात्र के पावन पर्व पर सर्वजन कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना के साथ इस वर्ष भी 521 मीटर लंबी विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन इस वर्ष अपने सफलता के 10वें वर्ष पूरे कर रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष कौशल राय ने बताया कि 24 मार्च 2026, मंगलवार को शाम 4 बजे से यह भव्य चुनरी यात्रा होगी। यात्रा श्याम नगर (अरेरा पेट्रोल पंप) के पीछे से शुरू होकर हबीबगंज थाना, इंदिरा मार्केट, रविशंकर नगर, मन्नीपुरम, ब्रह्मकुमारी आश्रम, एकांत पार्क और कोलार तिराहा, चूना भट्टी होते हुए माँ कालिका मंदिर, चुनाभट्टी पहुंचेगी, जहां भक्तगण विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ माता रानी को 521 मीटर लंबी चुनरी अर्पित करेंगे। आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी राजेश राय ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, मातृशक्ति और युवा शामिल होकर माता रानी की भक्ति में शामिल होते हैं। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब जाता है। समिति के कौशल राय ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि वे अपने ईष्ट मित्रों एवं परिवार सहित इस गरिमामय आयोजन में शामिल होकर माता रानी के चरणों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

तेज रफ्तार ट्रक ने पुलिस दूरसंचार विभाग का ओडीसी बॉक्स तोड़ा, ढाई माह बाद प्रकरण दर्ज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित जेके रोड पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से पुलिस दूरसंचार विभाग का ओडीसी बॉक्स पूरी तरह नष्ट हो गया। हादसे में लगे कैमरे, बैटरी और अन्य उपकरण तबाह हो गए। विभागीय जांच के बाद पुलिस ने ढाई महीने बाद ट्रक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक यह हादसा 26 दिसंबर 2025 को जेके रोड तिराहे पर हुआ था। उस दिन एमपी-40-जेडजी-6381 नंबर के वाहन चालक ने ओडीसी बॉक्स को टक्कर मार दी थी। घटना के बाद रेडियो शाखा की ओर से मामले की विभागीय जांच की गई। इसमें सामने आया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ओडीसी बॉक्स पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें लगे तीन कैमरे, तीन बैटरियां और अन्य उपकरण नष्ट हो गए। नुकसान का आकलन करीब 6.5 लाख रुपए किया गया। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस का कहना है कि टक्कर मारने वाला वाहन ट्रक था। अब ट्रक के मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है। पहचान होने के बाद वाहन को जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। पिपलानी पेट्रोल से पुलबोगदा के बीच मेट्रो की ब्ल्यू लाइन का काम चल रहा है। जिस कारण यहां का यातायात काफी बाधित चल रहा है। इसी मार्ग पर औद्योगिक क्षेत्र में भारी वाहन प्रवेश करते हैं। जिसका मुख्य जंक्शन जेके रोड हैं। यह बॉटल नेक तिराहा होने के चलते काफी संकरा भी रहता है। मेट्रो की ब्ल्यू लाइन के चलते पिपलानी से पुल बोगदा के बीच सार्वजनिक परिवहन प्रणाली व्यवस्था भी काफी ध्वस्त हैं। इसी मार्ग से सागर, रायसेन, इंदौर जाने वाले यात्री वाहन भी गुजरते हैं।

मेट्रो निर्माण के कारण बढ़ रहे हादसे

जेके रोड से पिपलानी पेट्रोल पंप से पुल बोगदा तक मेट्रो की ब्ल्यू लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके कारण इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था काफी प्रभावित हो गई है। यह इलाका औद्योगिक क्षेत्र होने से यहां भारी वाहनों की आवाजाही भी अधिक रहती है। जेके रोड तिराहा पहले से ही संकरा है और मेट्रो निर्माण के कारण यह बॉटलनेक बन गया है। यहां सर्विस लेन, सेंट्रल वर्ज और खुदी सड़कों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। लगभग छह किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर निर्माण सामग्री और संकेतक बोर्ड भी हादसों की वजह बन रहे हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

मेट्रो एंकर | रविन्द्र भवन में विश्वमांगल्य सभा द्वारा मध्यभारत प्रांत का दो दिवसीय अधिवेशन आयोजित

कार्य क्षेत्रों की महिला प्रतिभा 'सप्तमातृ' का हुआ सम्मान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रविन्द्र भवन में विश्वमांगल्य सभा द्वारा मध्यभारत प्रांत का दो दिवसीय अधिवेशन आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधिव सामाजिक एवं कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाली सात महिलाओं 'सप्तमातृ' का सम्मान हुआ। इससे पहले पंच परिवर्तन एवं समग्र भारतीय जीवनचर्या पर सत्रों का आयोजन हुआ।

सप्तमातृ के सम्मान समारोह के मंच पर विश्वमांगल्य सभा के संस्थापक एवं श्रीनाथ पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी जितेंद्रनाथ महाराज एवं महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश चन्द्र वर्मा ने सातों महिला शक्तियों को अंगवस्त्र एवं प्रसस्तिपत्र भेंट कर

सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वमांगल्य सभा की राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री पूजा देशमुख, मध्यप्रदेश की अध्यक्ष सूरज डामोर, विधायक राष्ट्रीय जनसंपर्क प्रमुख एवं अखिल भारतीय संयोजिका अनुराधा यादव, मध्यभारत प्रांत की अध्यक्ष विभा रघुवंशी, कार्यक्रम की कार्यकारी अध्यक्ष लतिका चौहान, बविता अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहीं। पहले सत्र की अध्यक्षता तक्षशिला सोसायटी की अध्यक्ष प्रीति उपाध्याय ने की एवं बौद्धिक विश्वमांगल्य सभा की अखिल भारतीय सदाचार सभा संयोजिका सोनिया तर्हालकर ने दिया। वहीं दूसरा सत्र समग्र भारतीय जीवनचर्या पर हुआ, जिसमें ब्रजकिशोर भार्गव, प्रचारक एवं क्षेत्र संयोजक गौसेवा केन्द्र विदिशा ने भारतीय जीवनचर्या से जुड़े भाषा, भूषा, भोजन, भजन, भ्रमण, भवन की व्याख्या एवं इसके महत्व को समझाया गया। दोनों उद्बोधन सत्रों के बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई एवं सप्तमातृ के सम्मान के साथ अधिवेशन का समापन हुआ। कुलपति ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश चन्द्र वर्मा ने कहा कि दिनचर्या और ऋतुचर्या मिलकर योगचर्या बनाती है।

कटनी में शीघ्र खुलेगा मेडिकल कॉलेज, मुख्यमंत्री का ऐलान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार धरती पुत्र किसान की खुशहाली और विकास के लिए कृत संकल्पित है। राज्य सरकार किसानों और लाड़ली बहनों सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने गांव-गांव तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने का संकल्प लिया है। किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में भी बिजली मिलेगी। किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। जरूरतमंदों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, इसके लिए प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि कटनी में शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज खोला जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 में कटनी को 1000 करोड़ की सौगात दी एवं जिले के लिए 243 करोड़ रूपये की लागत के 97 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया।

वैश्विक अस्थिरता की वजह से निवेश से बच रहे हैं बड़े खरीददार

पन्ना का हीरा कारोबार 60% तक मंदा, 24 मार्च की नीलामी स्थगित

पन्ना, दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही युद्धजनित अस्थिरता का असर अब देश के प्रसिद्ध हीरा क्षेत्र पन्ना के कारोबार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। वैश्विक बाजार में निवेशकों की अनिश्चितता और आर्थिक जोखिम के कारण हीरे के व्यापार में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि 24 मार्च को प्रस्तावित पन्ना हीरा कार्यालय की नीलामी को भी फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

हीरा व्यापारियों के अनुसार वर्तमान परिस्थितियों में बड़े खरीदार निवेश करने से बच रहे हैं, जिसके कारण स्थानीय बाजार में हीरे की कीमतें तेजी से गिर गई हैं। कारोबारियों का कहना है कि युद्ध और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में हीरे की मांग कम हो गई है, जिसका सीधा असर पन्ना के हीरा व्यापार पर पड़ रहा है। पन्ना के हीरा व्यापारियों के मुताबिक पहले जो 1 कैरेट उज्ज्वल किस्म का तैयार हीरा 2 से 3 लाख रुपये तक बिक जाता था, वही आज केवल 80 हजार से 1 लाख रुपये तक ही खरीदार मिल रहे हैं। इस तरह बाजार में लगभग 60 प्रतिशत तक की मंदी देखी जा रही है। हीरा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान कीमतें लगभग 2005 से 2007 के दौर के बराबर पहुंच गई हैं। ऐसे में घाटे की स्थिति में नीलामी आयोजित करना व्यावहारिक नहीं माना जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय युद्ध का असर

2 वर्षों से बिकने का इंतजार कर रहे जाम किये हुए हीरे

पन्ना हीरा कार्यालय में बड़ी संख्या में हीरे नीलामी के इंतजार में पड़े हुए हैं। जिसमे 5 कैरेट ,7 कैरेट एवं 10 कैरेट के बड़े उज्जवल किस्म के हीरे यहां पर जमा है । इनमें कई हीरे ऐसे हैं जिनके तुअदार (पट्टाधारक) कई वर्षों से इनके बिकने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विभाग का कहना है कि जब तक बाजार की स्थिति सुधरती नहीं है, तब तक नीलामी से अपेक्षित मूल्य मिलने की संभावना कम है।

मझगव परियोजना में भी हजारों कैरेट हीरे अटके

युद्ध के कारण बड़े अंतरराष्ट्रीय खरीदार निवेश से बच रहे हैं, जिसका असर सरकारी खनन परियोजनाओं पर भी पड़ा है। मध्यप्रदेश की एकमात्र यांत्रिक हीरा खनन परियोजना मझगव, जिसे एनएमडीसी संचालित करती है, वहां भी करीब 10 हजार कैरेट हीरे बिक्री के इंतजार में पड़े हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक अंतरराष्ट्रीय हालात सामान्य नहीं होते, तब तक हीरा बाजार में तेजी लौटना मुश्किल है।

प्रमुख आंकड़े

- 1 कैरेट उज्वल हीरे की वर्तमान कीमत: 80 हजार - 1 लाख
- पहले की कीमत: 2 लाख - 3 लाख
- बाजार में मंदी: लगभग 60 फीसदी गिरावट
- पन्ना हीरा कार्यालय में पुराने हीर: 41 नग
- वर्ष 2025-26 में प्राप्त हीरे: 105 नग
- मझगव परियोजना में बिक्री के इंतजार में हीरे: लगभग 10,000 कैरेट

हीरे का व्यापार पहले रूस और यूक्रेन युद्ध की मार तो झेल ही रहा था कि अब यह इजरायल ओर ईरान का युद्ध इस व्यापार के लिए पूरी तरह: मंदी लेकर आया है । दाम कम होने के कारण अब जो लोग हीरे का उत्खनन करते है वह भी प्रभावित होंगे क्योंकि लागत ज्यादा होगी और बाजार में कीमत कम मिलेगी जिस कारण से अब कम संख्या में लोग हीरे की खदाने संचालित करेंगे।
गगन जड़िया (सदस्य पन्ना डायमंड एसोसिएशन)

181 और 1098 से बढ़ी सुरक्षा और भरोसा

वन नेशन, वन हेल्पलाइन पहल को मप्र में मिली मजबूती: सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर राज्य सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में महिला सुरक्षा और बाल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए तकनीक आधारित सहायता तंत्र को मजबूत किया गया है।

सीएम ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति तब संभव होती है जब महिलाओं और बेटियों को सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर मिलें। राज्य सरकार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, उनकी सुरक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं, नवाचारों और तकनीक आधारित सेवाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है, जिससे उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के बेहतर अवसर मिल सकें। महिला हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर, जागरूकता कार्यक्रम और त्वरित सहायता तंत्र इसी दिशा में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासनिक तंत्र को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और तकनीकी से सशक्त बनाने में कई पहल की गई हैं। भारत सरकार की वन नेशन, वन हेल्पलाइन पहल के अनुरूप महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को आपातकालीन सेवा ERSS-112 से एकीकृत करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना 31 अगस्त 2023 को की गई।

महिला हेल्पलाइन 181: संकट में महिलाओं का भरोसेमंद सहारा

हिंसा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित सहायता और सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला हेल्पलाइन 181 का संचालन किया जा रहा है। यह सेवा प्रदेश के सभी वन स्टॉप सेंटर से एकीकृत है, जिससे पीड़ित महिलाओं को एक ही मंच से पुलिस, अस्पताल, एम्बुलेंस, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संरक्षण अधिकारी और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुँच उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही हेल्पलाइन के माध्यम से महिलाओं को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाती है तथा प्रशिक्षित परामर्शदाताओं द्वारा भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सहयोग भी प्रदान किया जाता है। इस सेवा की प्रभावशीलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 29 जनवरी 2026 तक लगभग 1.28 लाख महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 181 के माध्यम से सहायता प्रदान की जा चुकी है। बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को भी ERSS-112 से जोड़ा गया है। हेल्पलाइन पर प्राप्त कॉल्स को कॉल रेस्पॉन्डर द्वारा उनकी प्रकृति के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

सिंहस्थ-2028 के लिए इंदौर पुलिस की तैयारी

उज्जैन में दबाव बढ़ते ही सैटेलाइट टाउन में रोक दिए जाएंगे श्रद्धालु

इंदौर, दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ-2028 को लेकर इंदौर पुलिस की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस का सबसे ज्यादा फोकस भीड़ प्रबंधन पर जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हुई चर्चा के बाद सैटेलाइट टाउन बनाने का फैसला लिया गया है, ताकि उज्जैन में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने पर व्यवस्था गड़बड़ा न सके। बाहरी क्षेत्र में स्थानों का चयन भी कर लिया है। पुलिस और प्रशासन के मध्य हुई संयुक्त चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि सिंहस्थ में श्रद्धालुओं का सबसे ज्यादा आगमन इंदौर से ही होगा। भीड़ प्रबंधन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उज्जैन में भीड़ बढ़ने पर श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान पर रोकना भी आवश्यक है। इसके लिए इंदौर में सैटेलाइट टाउन बनाने पर चर्चा हुई है। इन जगहों पर पार्किंग, पेयजल, भोजन, शौचालय और विश्राम जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बाहरी क्षेत्रों में ऐसे कई स्थानों का चयन भी कर लिया गया है जहां अस्थायी सैटेलाइट टाउन विकसित किए जाएंगे। यहां से श्रद्धालुओं को नियंत्रित तरीके से उज्जैन की ओर भेजा जाएगा, जिससे शहर में भीड़ का दबाव अचानक न बढ़े। एडिशनल पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) आरके सिंह के अनुसार ट्रैफिक प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

ट्रैफिक के लिए बनेंगे तीन नए थाने

सिंहस्थ के मद्देनजर नगरीय सीमा में तीन ट्रैफिक थानों का निर्माण करने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। शहर में फिलहाल एक ही ट्रैफिक थाना है। इसी तरह तीन नए पुलिस थानों के लिए भी अंतिम चर्चा हो चुकी है। इसमें चंदन नगर क्षेत्र में धार रोड, बाणगंगा में सुपर कारिडोर और लसूड़िया में महालक्ष्मी नगर थाना शामिल है। धार रोड के लिए प्रशासन द्वारा जमीन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया जा चुका है। इसी तरह लसूड़िया मोरी पर ट्रैफिक चौकी के लिए जगह देने की सहमति दे दी है। तीन थानों के लिए बल का प्रस्ताव भेजापुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने तिलक नगर, राऊ, द्वारकापुरी थाने के लिए बल बढ़ाने का प्रस्ताव भी पुलिस मुख्यालय को भेजा है।

शिप्रा, नर्मदा और चंबल समेत मप्र की 12 नदियों पर प्रदूषण का संकट, शहरों के पास सबसे ज्यादा बिगड़ी हालत

इंदौर। प्रदेश की कई प्रमुख नदियों के कुछ हिस्सों में पानी की गुणवत्ता खराब पाई गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 18 प्रदूषित नदी खंड चिह्नित किए गए हैं। नदी खंड से आशय नदी के उस हिस्से से है, जहां पानी में जैविक प्रदूषण का स्तर निर्धारित मानक से अधिक हो जाता है और उसकी गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता होती है। प्रदेश में कुल 18 प्रदूषित नदी खंड और स्थान चिह्नित किए गए हैं। इनमें प्रदूषण की गंभीरता के आधार पर दो खंड प्रायोरिटी-1, एक प्रायोरिटी-2, दो प्रायोरिटी-3, तीन प्रायोरिटी-4 और दस प्रायोरिटी-5 श्रेणी में आते हैं। रिपोर्ट का विश्लेषण बताता है कि प्रदूषण सबसे ज्यादा उन स्थानों पर है जहां शहरी दबाव अधिक है। प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, देवास, भोपाल, ग्वालियर-मुरैना, नर्मदापुरम और खंडवा-बुरहानपुर जैसे क्षेत्रों के आसपास नदी के हिस्सों में प्रदूषण दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार शहरों के नालों का पानी और बिना

इन नदियों के हिस्से प्रभावित|
रिपोर्ट में जिन नदियों के हिस्सों में प्रदूषण पाया गया है, उनमें प्रमुख रूप से शिप्रा, कान्ह, चंबल, बेतवा, नर्मदा, ताप्ती, कालीसिंध, पार्वती, गंभीर, तवा, सोन और केन शामिल हैं। इन नदियों के अलग-अलग शहरों और कस्बों के आसपास के हिस्सों में पानी की गुणवत्ता मानक से नीचे पाई है।

जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक केवल एक माह का वेतन मिला

मनरेगा इंजीनियरों को 8 महीने से नहीं मिली सैलरी जल गंगा संवर्धन अभियान से कर सकते हैं किनारा

वेतन न मिलने से इंजीनियर आर्थिक और मानसिक संकट में।

अगस्त 2025 से अब तक 10 इंजीनियरों की मौत का दावा।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत अभी तक संचालित होती रही मनरेगा योजना में कार्यरत संविदा उप यंत्री (इंजीनियर) इन दिनों आर्थिक और मानसिक संकट से गुजर रहे हैं। जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक इंजीनियरों को केवल एक माह का वेतन ही मिला है। 19 मार्च से प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ होने जा रहा है। इंजीनियरों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग नहीं लेने का निर्णय लिया है।

मनरेगा अभियंता संघ के प्रदेश समन्वयक गजेंद्र कठारे ने कहा कि अगस्त 2025 से अब तक 10 इंजीनियरों की मृत्यु हो चुकी है। इसी माह राजगढ़ जिले में पदस्थ 42 वर्षीय इंजीनियर सूरज मालवीय और भिंड जिले में पदस्थ 48 वर्षीय इंजीनियर सत्येंद्र शर्मा मृत्यु हो गई। इन्हें पिछले सात माह से वेतन नहीं मिला था। करीब बीस वर्षों से योजना में काम कर रहे इंजीनियरों में लगातार अस्थायी व्यवस्था में काम करने के कारण भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान करने की मांग

संगठन ने आरोप लगाया कि मनरेगा परिषद के आयुक्त अवि प्रसाद द्वारा समय रहते केंद्र सरकार को आवश्यक वित्तीय मांग नहीं भेजी गई। इसके अलावा प्रशासनिक तथा वेतन से जुड़े खर्च अन्य मदों में किए जाने के कारण भी यह स्थिति बनी है। परिणामस्वरूप कई जिलों में काम की गति धीमी पड़ गई है। संगठन ने सरकार से लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान करने, सेवा व्यवस्था में स्थिरता लाने तथा समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने की मांग की है।

मेट्रो एंकर ‘वन स्टेट-वन डेस्टिनेशन’ के अंतर्गत केंद्र को प्रस्ताव भेजेगा मध्य प्रदेश

खजुराहो के आसपास बनेंगे आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विश्व धरोहर में शामिल पर्यटन स्थल खजुराहो आने वाले वर्षों में पर्यटकों को और लुभाएगा। साथ ही अलग अनुभव देगा। इसके आसपास के कुछ गांव आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज के रूप में विकसित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 200 एकड़ में ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट के अंतर्गत पर्यटन के ऐसे केंद्र बनाए जाएंगे जो नए व अलग अनुभव देंगे। यहां बड़े समूहों के होटल होंगे तो इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधाएं बहुत उन्नत स्तर की होंगी। वास्तुकला लगभग एक जैसी होगी।

जल प्रपातों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा- इसी तरह से आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज के रूप में विकसित किए जा रहे गांवों में समरूपता की दृष्टि से प्रयास किए जाएंगे। आसपास के डैम और जल प्रपातों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। यहां बुनियादी सुविधाओं-संसाधनों का विकास किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को एक मॉडल ड्राफ्ट बनाकर दिया है

मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को एक मॉडल ड्राफ्ट बनाकर दिया है कि %वन स्टेट-वन डेस्टिनेशन% के अंतर्गत किस-किस तरह के काम हो सकते हैं। अब पर्यटन विकास निगम स्थानीय परिस्थितियों और संसाधनों के अनुसार विकास की योजना बना रहा है।

लगभग 500 करोड़ रुपये खर्च होंगे- राज्य सरकार खजुराहो को विकसित करने के ये प्रस्ताव केंद्र सरकार को %वन स्टेट-वन डेस्टिनेशन% योजना के अंतर्गत भेजने जा रही है। इसमें लगभग 500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही पीपीपी मॉडल को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। दूसरा, स्थानीय स्तर पर ही ट्रस्ट, प्राधिकरण या अन्य स्वरूप में एक संस्था बनेगी जो खजुराहो में पर्यटन सुविधाओं के लिए नियोजन, विकास, निगरानी और संधारण के लिए काम करेगी।

खजुराहो में प्रति वर्ष औसतन 38 हजार विदेशी पर्यटक आते हैं- अभी यह काम मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम करता है, जिससे स्थानीय स्तर पर कई दिक्कतें आती हैं। बता दें, खजुराहो में प्रति वर्ष औसतन 38 हजार विदेशी पर्यटक आते हैं। इनकी संख्या और ठहरने की अवधि बढ़ाने की दृष्टि से पर्यटन सुविधाओं में विस्तार किया जाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर बनेंगे। साथ ही देश-दुनिया में खजुराहो का नाम और अच्छे पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। पर्यटन सुविधाओं का विस्तार इस तरह से किया जाएगा कि खजुराहो आने वाले पर्यटक पन्ना टाइगर रिजर्व सहित आसपास के अन्य स्थलों का भी भ्रमण करें।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 15 मार्च 2026

फिटनेस मंत्रा

सताने लगी है गर्मी

मौसम के अनुसार वर्कआउट प्लान में बदलाव से रहेंगे स्वस्थ

मौसम में गर्मी बढ़ती जा रही है। कई जगहों पर तापमान 40 के पार भी पहुंच गया है और आगे इसके बढ़ने की सम्भावना है। यइसके चलते गर्मी संबंधी बीमारियां जैसे हीट इनलेस, हीट स्ट्रोक या लू लगना आदि हो जाती हैं। यह मौसम शरीर से कैलोरी बर्न होने के लिए भी बेहतर माना जाता है। यही वजह है कि लोग इस मौसम में डाइटिंग करने के साथ ही वजन कम करने के लिए ज्यादा कसरत करने लगते है। वे जिम जाते हैं या खुले में व्यायाम करते हैं लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो तेज गर्मी के कसरत करते समय कुछ सावधानियां जरूरी हैं।

डॉक्टर की सलाह

दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल के मेडिकल सुप्रिटेंडेंट डॉ. एस एम रहेजा का कहना है कि इस मौसम में जिम जाया जा सकता है। व्यायाम भी किया जा सकता है लेकिन उससे पहले कुछ विशेष सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। गर्मी में किया गया व्यायाम किसी भी अन्य मौसम की अपेक्षा ज्यादा एहतियात मांगता है। जिम करने के लिए सुबह या देर शाम का ही वक्त चुनें। धूप तेज होने या दोपहर के समय जिम न करें। जिम में अगर एयर कंडीशनर है तो बेहतर है। बिना एयर कंडीशनर वाली जिम में ज्यादा कसरत करना नुकसानदेह हो सकता है। जिम में माइल्ड टू मॉडरेट एक्सरसाइज करें। धीमे-धीमे कसरत को बढ़ाएं। गर्मी के मौसम में बहुत ज्यादा पसीना बहाने वाले व्यायाम न करें। जिम या व्यायाम से पहले खूब पानी पीएं। अगर आप रोजाना जिम जा रहे हैं तो खान-पान का विशेष ध्यान रखें। तरबूज, खरबूज, ककड़ी, खीरा, लॉकी, टिंडा, नींबू, मौसमी, सेब, संतरा, गन्ने का जूस, आम का पन्ना आदि को अपनी डाइट में शामिल करें। जिम से सीधे निकलकर धूप में न जाएं. तापमान का ध्यान रखें। लंबे समय तक खाली पेट न रहें।

गर्मी के मौसम में में वर्कआउट करना आसान नहीं होता। सर्दी के मुकाबले गर्मी में एक्सरसाइज करते हैं तो पसीना जल्दी आने लगता है। सांस जल्दी फूलने लगती है और कभी- कभी हार्ट बीट भी तेज हो जाती है। बार बार पानी पीकर एक्सरसाइज करना भी आसान नहीं होता। ऐसे में डिहाइड्रेशन होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इन हालातों में वर्कआउट आसान नहीं होता। थकान जल्दी होती है और फटीग का अहसास भी बढ़ जाता है। थकान की वजह वर्कआउट का असर भी कम हो जाता है। ऐसे में कुछ टिप्स का ख्याल रखें तो वर्कआउट के दौरान होने वाली ये परेशानियां काफी हद तक कम हो सकती हैं।

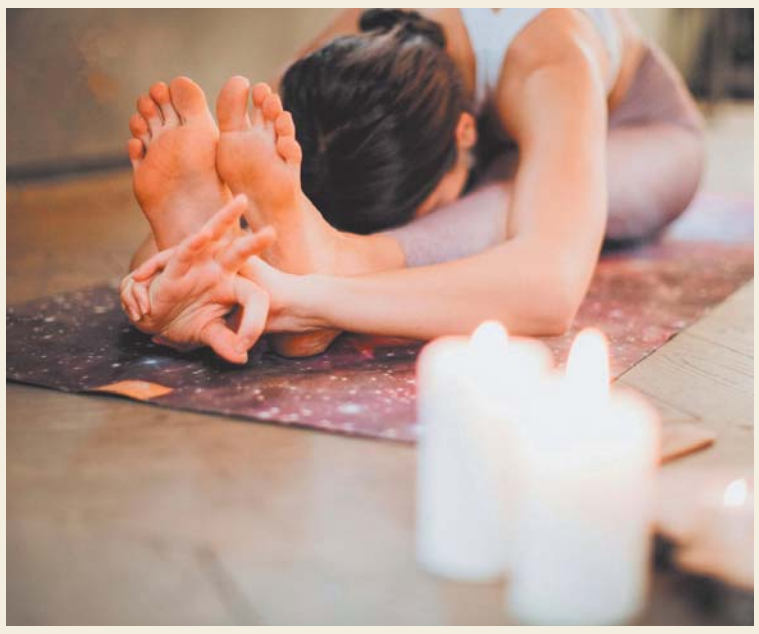

वॉर्म अप जरूर करें

एक्सरसाइज शुरू करने से पहले वॉर्म करने की स्टेप को अवॉइड न करें। बॉडी प्रोपर वॉर्मअप नहीं होगी तो फटीग आसानी से होगा और इसकी वजह से मसल्स में क्रैंप भी आ सकता है। इसलिए हर एक्सरसाइज के अनुसार उससे जुड़ा वॉर्मअप जरूर करें। एक्सरसाइज करते समय ब्रेक लेने की जरूरत पड़े तो बिलकुल ब्रेक लें। ये न सोचें कि रुक गए तो वर्कआउट पर असर पड़ेगा। जरूरत पड़ने पर रेस्ट लेने से शरीर नई ऊर्जा के साथ वर्कआउट कर सकते हैं। बीच में रेस्ट लेने से दिल पर भी प्रेशर कम पड़ता है।

पूरी डाइट जरूर लें

वर्कआउट करने के बाद पूरी डाइट न लेने पर कमजोरी हो सकती है। जिसका असर दूसरे दिन के वर्कआउट पर पड़ सकता है। फिटनेस के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोटीन लेने के साथ ये जरूरी है कि सही मात्रा में कार्ब्स भी लिए जाएं। इसके अलावा फ्रूट जूस भी लेते रहें। नींद को बिलकुल अवॉइड न करें। वर्कआउट करते हैं तो नींद का पूरा होना भी जरूरी है। एक्सरसाइज से डैमेज होने वाले सेल्स को हील करने में नींद बहुत कारगर है। नींद अच्छे से पूरी होने पर ही वर्कआउट का भी ज्यादा फायदा मिलेगा।

कंफर्टेबल कपड़े पहने

वर्कआउट करते समय ऐसे पड़े जरूर पहने जो आपको रिलेक्स रखें। ज्यादा टाइट वर्कआउट वियर न पहनें। ये भी ध्यान रखें कि कपड़ें ऐसे हों जो आपके मूवमेंट को न रोकें। बल्कि आप आसानी से हाथ पैर हिला सकें। कपड़े ऐसे हों जो पसीने को आसानी से सोखें भी और जल्दी सूख भी जाएं। वर्कआउट के बाद पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। कुछ लोग एक्सरसाइज के बाद तो खूब पानी पीते हैं लेकिन दिन भर पानी पीने में कोताही करते हैं। लेकिन ये तरीका सही नहीं है। दिनभर सही मात्रा में पानी पिएं। इसके अलावा इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस भी बनाकर रखें।

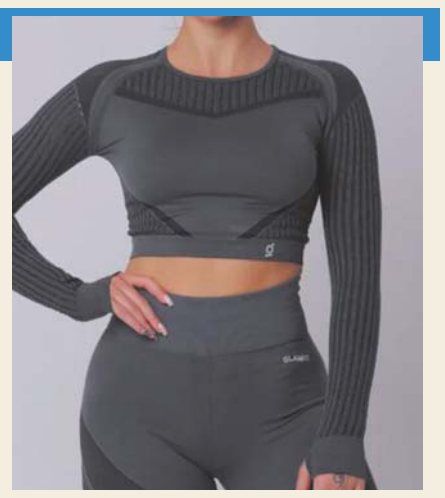

जीवन ज्योति

ध्यान कोई कठिन एकाग्रता नहीं, यह 'कुछ न करने की कला' है

श्री श्री रविशंकर
आध्यात्मिक गुरु

आज के समय में लोग मन की अशांति से लगातार परेशान है। ऐसे में मेंटल पीस सबसे बड़ी लग्जरी बन गयी है। लेकिन कई लोग कहते हैं कि उनसे ध्यान नहीं हो पाता। उनका मन काम, चिंता और लक्ष्यों से भरा रहता है। कुछ लोगों को लगता है कि उनका शरीर ध्यान में शांत नहीं बैठ पाता। समस्या ध्यान में नहीं, बल्कि उसकी गलत समझ में है। ध्यान कोई कठिन एकाग्रता नहीं है. यह कुछ न करने की कला है. इसमें जोर लगाने की नहीं, बल्कि मन और शरीर को ढीला छोड़ने की जरूरत है। दुनिया के कामों में मेहनत जरूरी है, लेकिन ध्यान में ज्यादा प्रयास उल्टा असर करता है। ध्यान में सफलता का राज है - सहज रहना। ध्यान से पहले कुछ मिनट गहरी सांस या प्राणायाम करना मददगार होता है। इससे शरीर में ऊर्जा बढ़ती है और मन अपने आप शांत होने लगता है। ध्यान करते समय कई लोग अपने विचारों को हटाने की कोशिश करते हैं। अगर एक दिन अच्छा अनुभव हुआ और दूसरे दिन मन परेशान है, तो वे उस परेशानी को हटाना चाहते हैं। उसे स्वीकार करें। मन से कहें, ठीक है, तुम भी यहीं रहो। जब हम बेचैनी से लड़ना छोड़ देते हैं, तो वह धीरे-धीरे कम हो जाती है। ध्यान में बैठते ही अगर विचार आने लगें, तो घबराएं नहीं. विचार दुश्मन नहीं हैं। उन्हें ऐसे देखें जैसे आसमान में बादल आते-जाते हैं। जितना आप उन्हें रोकेंगे, वे उतना टिकेंगे। अगर उन्हें आने-जाने दें, तो वे अपने आप शांत हो जाते हैं। कभी ध्यान में शरीर में हलचल या झुनझुनी होती है। यह संकेत हो सकता है कि शरीर से तनाव निकल रहा है। ध्यान से पहले थोड़ा चलना, स्ट्रेचिंग या योग करना फायदेमंद है. ध्यान के दौरान बेचैनी हो तो शांत रहकर उसे गुजरने दें। कभी-कभी ध्यान बोरिंग लग सकता है। लेकिन नियमित अभ्यास से वही ध्यान फिर से ताजगी देने लगता है। इसलिए अभ्यास जारी रखें। ध्यान के लिए किसी खास आसन की जरूरत नहीं। आप कुर्सी, सोफे या जमीन पर आराम से बैठ सकते हैं। अगर शरीर में दर्द होगा तो मन वहीं अटका रहेगा। इसलिए आराम को प्राथमिकता दें। ध्यान रखें अगर अकेले ध्यान मुश्किल लगे, तो किसी शिक्षक की मदद लें। ध्यान केवल तनाव कम करने का तरीका नहीं है। यह मन और शरीर को मजबूत बनाता है। नियमित ध्यान से ऊर्जा बढ़ती है और व्यक्ति अंदर से शांत और खुश महसूस करता है। धीरे-धीरे यह गहरी और स्थायी आनंद की अनुभूति तक ले जाता है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 15 मार्च से 21 मार्च तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभ : वृषभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुन : मिथुन राशि के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्क : कर्क राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंह : सिंह राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या : कन्या राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला: तुला राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।।

धनु : धनु राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर: मकर राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभ : कुंभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो की सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन : मीन राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

दिया कबीरा रोय

फ्री से बिज़ी की ओर...

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

फ्री में बांटना उतना बुरा भी नहीं है जितना लोग बताते हैं।लोगों का क्या है? लोग फ्री बैठे हैं,फ्री बैठे बैठे फ्री की ही बुराई करने लगते हैं।अब,हमारी दुकान में ऐसा कोई माल ही नहीं है जिसे लोग कीमत देकर खरीदें तो हम क्या करें? आप चाहते हैं कि हम दुकान बंद करके बैठ जाएं,आपकी तरह फ्री हो जाएं क्या?भाई,बाजार में बने रहने के लिए फ्री बांटना जरूरी है या यूं कहिए मजबूरी है।इसमें बुरा क्या है? फ्री की वजह से दुकानों पर भीड़ बनी रहती है। फ्री न होता तो कई दुकानें बंद हो गई होती।बाजार सूने पड़े होते। फ्री से रौनक बनी हुई है।बछिया दान की हो तो उसके दांत नहीं देखे जाते।फ्री में कुछ फेंक दो तो लोग मीनमेख नहीं निकालते।किंतुपरंतु से बचे।इंसान कीमत देता है तो ठोक बजाकर लेता है। फ्री में कुछ मिलता है तो चुपचाप खिसक लेता है। लोग फ्री में फंसे रहते हैं तो हमें भी आसानी है।नहीं तो खाली दिमाग शैतान का घर।लोग वो मांगने लगते जो हमारे पास है।हमें दिक्कत खड़ी हो जाती। फ्री की चीज आदमी सर झुकाकर लेता है,कीमत देगा तो सर उठाएगा।फ्री बांटने वाले देश को विनम्रता सिखा रहे हैं तो इसमें बुराई क्या है? झुका सर ही सर,सर बोलता है। मैं तो कहूंगा भैया कि ये अंग्रेज भले बहुत होशियार बनते हैं पर सच्ची बात यह है कि उनमें दो कौड़ी की अंकल नहीं थी।जमाने भर के हथकंडे लगाते रहे।अरे,कुछ फ्री में बांटते रहते तो भारत के लोग तो बेचारे इतने सज्जन हैं कि वे आजाद होने से ही इंकार कर देते।फ्री में जो बाधा बनता लोग उसे दौड़ा दौड़ाकर मारते।आजादी की सारी लड़ाई धरी रह जाती।आजादी वाले देशद्रोही हो जाते। कुछ विद्वान कह देते कि ये जो अंग्रेज हैं अंगिरा ऋषि की संतान हैं।अंगिरज से अंग्रेज बन गया।अंग्रेजवादी पार्टी बन जाती।और मैं दावे से कहता हूं गुलामी जीत जाती और आजादी की जमानत जब्त होती।भगवान की कृपा है कि अंग्रेजों को ये फ्री वाला आइडिया सूझता उसके पहले ही देश आजाद हो भगा। अब पछताते होंगे।लंदन में बैठे सोचते होंगे-अरे खां इतना तो अपन ही बांट देते और जमे रहते।और मुझे तो ऐसा भी लगता है कि फ्रीडम मूवमेंट को लोग फ्री का मूवमेंट समझ बैठे होंगे। इसी चक्कर में साथ हो गये। फ्रीडम में लगे फ्री ने ही लोगों को लुभाया।और सब फालतू की बातें हैं।हम फ्री प्रेमी लोग हैं। जो यह समझ लेता है वह हमारे दिलों पर राज करता है। लोग कह रहे हैं कि फ्री बांटने पर बड़ी अदालत ने फटकार लगायी है।अब, भैया,अदालत की बात अदालत वाले जानें।हमें तो न्यायालय और हिमालय एक जैसे ही रहे।हम दोनों की चढ़ाई नहीं चढ़ पाये।अन्याय फ्री में मिलता है और न्याय के पैसे लगते हैं इसलिए हम अन्याय ही अफोर्ड कर पाये।

पुस्तक मीमांसा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को परिभाषित करती एक किताब

साहित्य डेस्क

एम पी के नेताजी नामक यह किताब खबरों का पुलिंदा है, रिपोर्ताज है, यात्रा वृत्तांत है, जीवनी है या एक मुख्यमंत्री और उसके दो साल के कामकाज का विश्लेषण, यह तय करना थोड़ा कठिन है। पर किताब की पठनीयता जबरदस्त है। पढ़ना शुरू कीजिए, तो पन्ना -पन्ना पढ़ जाएंगे फिर भी तृप्ति नहीं मिलेगी। लगेगा कि थोड़ा और होना चाहिए था। मुद्दे की बात यह कि वरिष्ठ पत्रकार - संपादक डॉ संतोष मानव की शैली चलचित्र वाली है। आपको यह तय करने में कुछ मिनट लग सकता है कि आप किताब पढ़ रहे थे या फिल्म देख रहे थे। किताब में दो दर्जन अध्याय हैं और हर अध्याय एक दूसरे से अलग है। हर अध्याय की शैली अलग है। कहीं कहानी - उपन्यास की शैली है, कहीं खबर, कहीं विश्लेषण, कहीं यात्रा वृत्तांत तो कहीं रिपोर्ताज की शैली। अगर खानपान की भाषा में कहें तो कह सकते हैं कि किताब के रूप में पूरी गुजराती थाली है। सवा सौ पन्नों में एक मुख्यमंत्री के पूरे जीवन और कार्य को सटीकता- गंभीरता से नाप लेन, उसकी अच्छाई-कमजोरी गिना देना छोटी बात नहीं है। किताब में डॉ मोहन यादव का बचपन है, तो जवानी भी है। स्कूल -कालेज के किस्से हैं, तो राजनीतिक किस्से भी कम नहीं हैं। दो साल के काम का लेखा-जोखा भी है। वे सवाल भी रखें गए हैं, जिसका जवाब आज न कल डॉ मोहन यादव को देना पड़ेगा।

कमाल यह भी कि किसी बंद कमरे में बैठकर यह किताब नहीं लिखी गई है बल्कि उज्जैन की गलियों में घूमकर, वहां के लोगों से बात करके लिखी गई है। डॉ मानव मूलतः पत्रकार हैं, तो अपनी बात को पुष्ट करने के लिए तथ्य और वर्जन का भी पूरा ख्याल रखा गया है। वे लेखक के रूप में उस चतुर, गंभीर रिपोर्टर की तरह दिखते हैं, जिसके लिखे पर कोई संपादक या पाठक सवाल खड़ा नहीं करें कि यह अपने कैसे लिख दिया? सबकुछ करीने से सजाया - संवारा गया। थोड़ी कल्पना भी है, पर वहीं जहां होना चाहिए।

डॉ मानव बताते हैं कि उनसे बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश के अनेक पत्रकारों ने पूछा था कि डॉ मोहन यादव कौन हैं? यह उस दिन की बात है, जिस दिन डॉ मोहन यादव को मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा हुई थी। उसी दिन तय किया कि किताब ही लिख देना चाहिए। ऊपर से मोहन यादव का व्यक्तित्व भी मोहक लगा। विचार दिमाग में उमड़ता - घुमड़ता रहा। दो-तीन चक्कर उज्जैन के भी लगा लिए। फिर लिखना शुरू किया, तो चौबीस दिन में चौबीस अध्याय लिख मारा। सभी को एक के बाद एक जोड़ कर बन गई किताब। जिनकी राजनीति, समाज में थोड़ी भी रूचि हो, उनके लिए यह रूचिकर किताब है। उनके लिए भी जो बड़ा सोचते हैं। आखिर एक मिल मजदूर का बेटा मुख्यमंत्री कैसे बन गया, जानना रूचिकर के साथ प्रेरक भी हो सकता है न ? तो पढ़ डालिए - एमपी के नेताजी।

आमतौर पर मुख्यमंत्रियों पर भक्तिभाव वाले अंदाज में किताब लिखी जाती है। पर इस किताब में ऐसा कुछ नहीं है। फैक्ट है और फैक्ट के इर्द-गिर्द ही सबकुछ बुना गया है। पढ़ेंगे तो लेखक की तारीफ करने से शायद ही बच पाएंगे।

समितियों का क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण बरेज में संपन्न, पौधरोपण कर बताया महत्व

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

जन अभियान परिषद की संचालित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्फुटन ग्राम बरेज में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम बमौरीशाला सेक्टर की नवांकुर संस्था सर्वधर्म जन कल्याण सेवा समिति के तत्वाधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमोद रघुवंशी ने जन अभियान परिषद की अवधारणा और उसके उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए परिषद द्वारा समाज में किए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि शिवराज सिंह रघुवंशी ने कहा कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अपने नाम के अनुरूप समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही है। परिषद द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी को बढ़ावा देने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य लगातार किए जा रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। विशेष अतिथि भगवत सिंह राजपूत ने कहा कि गांवों में परिषद के माध्यम से कई रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। जल संरक्षण को लेकर पदयात्रा, नदी में बोरिबंधान तथा सामूहिक श्रमदान जैसे कार्यों ने ग्रामीणों में जागरूकता और सहभागिता की भावना को मजबूत किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम चार अलग-अलग सत्रों में आयोजित किया गया। जिसमें समितियों को दस्तावेजीकरण, कार्यों के प्रस्तुतीकरण और संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रस्फुटन समितियों को प्रमाण पत्र और पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष नवल सिंह, शिवहरि शर्मा, बलराम सिंह राजपूत, माखन सिंह महावर, लल्लू अहिरवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

सदस्यों ने पौधरोपण कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

प्रशिक्षण वर्ग के समापन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सामूहिक वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान पंचायत एवं स्कूल परिसर में लगभग आधा दर्जन छायादार और औषधीय पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, समिति सदस्यों और ग्रामीणों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया। साथ ही सभी उपस्थित लोगों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपने-अपने गांवों में पौधे लगाने और उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। पौधरोपण कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प प्रशिक्षण वर्ग के समापन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सामूहिक वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान पंचायत एवं स्कूल परिसर में लगभग आधा दर्जन छायादार और औषधीय पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, समिति सदस्यों और ग्रामीणों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया। साथ ही सभी उपस्थित लोगों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपने-अपने गांवों में पौधे लगाने और उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

न्यूज विंडो

मंडीदीप में रक्तदान शिविर में 213 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

मंडीदीप। औद्योगिक शहर मण्डीदीप में सामाजिक सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने उद्योग संगठन की पहल रंग लाई। एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज, मण्डीदीप और जैन यूथ क्लब, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में कुल 213 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। संगठन के सचिव नीरज जैन ने बताया कि यह शिविर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एसोसिएशन के प्रांगण में लगाया गया था। इसमें उद्योगपतियों, कर्मचारियों, संगठन के सदस्यों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदान किया। एकत्रित रक्त को ब्लड बैंक , भोपाल भेजा गया ताकि जरूरतमंद मरीजों की मदद हो सके। शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करना और यह संदेश देना था कि एक छोटा-सा प्रयास किसी की जान बचा सकता है। युवाओं और स्थानीय उद्योग से जुड़े लोगों में रक्तदान के प्रति दिखा उत्साह सराहनीय रहा।

हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। श्री महाराणा प्रताप राजपूत समिति गंजबासौदा द्वारा शनिवार को पुलिस अधीक्षक विदिशा के नाम एसडीओपी गंजबासौदा को एक ज्ञापन सौंपकर सविता राजपूतबराजपूत की हत्या के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई।ज्ञापन में बताया गया कि 11 मार्च को करारिया थाना क्षेत्र में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सविता राजपूत की गला घोंटकर हत्या कर दी गई, जो अत्यंत दुखद एवं निंदनीय घटना है। इस घटना से पूरे जिले सहित गंजबासौदा के राजपूत समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका अपने किरायेदार की साली की शादी में शामिल होने करारिया थाना क्षेत्र के ग्राम कोटरा गई थीं। शादी के बाद जब उनके परिजनों द्वारा फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो संपर्क नहीं हो सका। बाद में करारिया पुलिस द्वारा महिला का शव मिलने की सूचना दी गई। इस जघन्य घटना से पीड़ित परिवार एवं राजपूत समाज में गहरा आक्रोश है। समाज के लोगों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी की गई। राजपूत समाज ने प्रशासन से मांग की है कि हत्या के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता और सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि इस गंभीर मामले में शीघ्र कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए।ज्ञापन सौंपने वालों में समिति के पदाधिकारी एवं समाज के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लोक अदालत में आपसी सहमति से कई मामलों का किया निराकरण

सिरोंज। न्यायालय परिसर में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय कुमार पांडे, वरिष्ठ अधिवक्ता अवधनारायण श्रीवास्तव, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मोना शुक्ला एवं न्यायाधीश अंकिता जैन द्वारा किया गया। ना हम हारे, तुम जीते की तर्ज पर इस लोक अदालत में पक्षकारों की आपसी सहमति से कई मामलों का निराकरण किया गया। इस दौरान न्यायाधीश विजय कुमार पांडे के न्यायालय में विद्युत मंडल शहरी एवं ग्रामीण के 200 मामलों का निराकरण किया गया। जिसमें विद्युत मंडल को करीब 15 लाख रुपए की आमदनी हुई तथा बैंकों के 30 मामलों में बैंक को पांच लाख सत्तर हजार रुपए की वसूली हुई। वहीं 3 अपराधिक अपील के प्रकरणों का राजीनामा के आधार पर निराकरण हुआ। लोक अदालत में नगर पालिका के जलकर एवं संपत्ति कर के 780 मामलों का निराकरण किया गया। जिसमें नगर पालिका को 870000 रुपए की आमदनी हुई। न्यायाधीश मोना शुक्ला के न्यायालय में बरसों से पति-पत्नी के बीच चल रहे 4 भरण पोषण के मामले, चेक बाउंस के 13 और 6 अपराधिक मामलो का निरक्षण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया गया।

महामाई दरबार में 15 दिवसीय मेले में ध्वजारोहण, 28 मार्च को विशाल भंडारे के साथ होगा समापन

लोक संस्कृति के दिखेंगे रंग, संजो की भजन संध्या से हुई शुरुआत, महायज्ञ 19 मार्च को

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

महामाई माता के दरबार में होने वाले नवरात्र उत्सव का उल्लास शनिवार से शुरू हो गया है। 28 मार्च तक चलने वाले मेले का ध्वजारोहण शनिवार को हुआ। महामाई मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा ने माता की आरती के बाद ध्वजपूजा की। इसके बाद मुख्य यजमान ध्वज को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ जयकारे लगाते हुए मेला परिसर पहुंचे। दोपहर में ध्वजारोहण के बाद रात्रि में लोक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों का सिलसिला संजो बघेल की भजन संध्या से शुरू हो गया। इस बार यहां पर चार दिवसीय लोकगीत एवं लोकनृत्य पर आधारित आयोजन को लोकोत्सव का नाम दिया गया है। वहीं माता के दरबार में हो रहे फाग उत्सव का समापन गत रात में हुआ। अंतिम दिन इसमें प्रसिद्ध लोकगीत गायक जित्तू खरे और उनकी टीम द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। लोकोत्सव में 15 मार्च को राजस्थानी लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम होंगे। 16 मार्च को ब्रज के कलाकारों द्वारा लोकगीत एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी जाएगी। 17 मार्च को लोकमाता देवी अहिलाबाई पर आधारित कार्यक्रम होगा। 18 मार्च को दोपहर में देवी आराधना और वरुण पूजन के बाद रात में बुंदेली लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम होंगे।

19 मार्च से माता रानी के दरबार में चैत्र नवरात्र का उत्साह दिखाई देने लगेगा। इस अवसर पर महामाई मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा के सानिध्य में श्री विद्या शतचंडी दुर्गा महायज्ञ का आयोजन होगा। इसी दिन नव वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर सुबह 6 बजे सूर्यपूजन होगा। इसके उपरांत दोपहर में यज्ञ प्रारंभ होगा। इसी दिन से रात में रामलीला और दिन में रासलीला का शुभारंभ भी होगा। 22 मार्च को विशाल देवी जागरण होगा। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक स्वस्ति मेहुल की टीम द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। 24 और 25 मार्च को मोहित शेवानी और टीम द्वारा विभिन्न प्रस्तुतिया दी जाएंगी। 28 मार्च को महायज्ञ का की पूर्णाहुति होगी। इस अवसर पर बृज की प्रसिद्ध फूलों की होली का मंचन कलाकारों द्वारा किया जाएगा। शाम को महाआरती के उपरांत विशाल कन्याभोज एवं भंडारे का आयोजन महामाई सेवा समिति द्वारा किया जाएगा। वहीं रात में रामलीला के समापन पर भव्य आतिशबाजी के साथ रावण दहन कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

तेज गति से चल रहा सजावट का सिलसिला

इस 15 दिवसीय आयोजन की तैयारियां महामाई सेवा समिति द्वारा तेज गति से की जा रही है। मंदिर परिसर में चारो तरफ भगवा झंडे लगाने के साथ ही यज्ञशाला की रंगाई-पुताई का काम हो रहा है। इसके साथ ही रामलीला मंचन के लिए केथन डैम के पास में विशाल डोम भी तैयार किया जा रहा है। मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण में पंजीकृत इस मेले में बड़ी संख्या में झूले भी लगेंगे। जिनके कसने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसके साथ ही मेला स्थल पर गृहस्थी, खान-पान और खिलौनों समेत कई दुकाने भी लगाई जाएंगी।

बद्री कोटसिन कंपनी प्रबंधन पर पूर्व कर्मी ने लगाया धमकाने का आरोप, 48 घंटे बाद भी एफआईआर नहीं

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक क्षेत्र की बद्री कोटसिन कंपनी के प्रबंधन पर कर्मचारियों को प्रताड़ित करने का आरोप लगते जा रहे हैं। अब कंपनी में पूर्व मैनेजर के पद पर कार्यरत रहे टीकाराम मीणा ने मंडीदीप पुलिस थाने में लिखित आवेदन देकर कंपनी मालिक सुमित गुप्ता पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मीणा ने आरोप लगाया है कि कंपनी मालिक ने उन्हें मंडीदीप-भोपाल में स्क्रैप का अपना निजी काम बंद न करने पर धमकाया है। टीकाराम मीणा जनवरी माह में कंपनी से इस्तीफा देकर अपना निजी व्यवसाय शुरू कर चुके हैं। इस्तीफे की सूचना मिलने के बाद कंपनी मालिक सुमित गुप्ता ने उन्हें व्हाट्सएप पर मैसेज और कॉल के जरिए बार-बार परेशान करना शुरू कर दिया। मीणा ने पुलिस को दिए आवेदन में व्हाट्सएप चैट की कॉपी भी संलग्न की है, जिसमें कथित तौर पर धमकी भरे संदेश मौजूद हैं। मीणा ने बताया कि उन्हें गंभीर आशंका है कि कंपनी मालिक या उनके लोग उनके साथ कोई अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है।

पुलिस कार्रवाई पर सवाल

यह मामला तब सुर्खियों में आया है जब इससे पहले सौरभ सिंह नामक एक अन्य पीड़ित के मामले में पुलिस ने 48 घंटे बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। अब टीकाराम मीणा की शिकायत के बाद भी मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने केवल जांच के बाद कार्यवाही करने की बात कही है, जबकि पीड़ितों का कहना है कि लगातार धमकियों के बीच तत्काल संरक्षण और कार्रवाई की जरूरत है। पीड़ित टीकाराम मीणा ने बताया कि मैंने थाने में लिखित आवेदन दिया, जिसमें सुमित गुप्ता द्वारा मुझे स्क्रैप का कारोबार बंद करने के लिए धमकाया जा रहा है। एसडीओपी शीला सुराणा ने बताया कि थाना स्तर पर जांच की जा रही है, जांच में जो दोषी होंगे उन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

दिखावटी कार्रवाई के बाद फिर चालू हुई अवैध कोयला खदानें

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के बुढार क्षेत्र में अवैध कोयला खनन एक बार फिर चर्चा में है। कुछ समय पहले प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई का दावा किया गया था, लेकिन अब वही कोयल क्षेत्र की तीनों अवैध खदानें दोबारा संचालित होने लगी हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या प्रशासन की कार्रवाई सिर्फ दिखावटी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में अवैध खनन रोकने की मंशा होती, तो खनन के लिए बनाए गए पूरे गड्ढों (गढ़ों) को पूरी तरह भर दिया जाता और क्षेत्र में सख्त निगरानी रखी जाती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिसके कारण अवैध खनन माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं और खुलेआम कोयले का उत्खनन किया जा रहा है। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि अवैध कोयले का यह कारोबार बिना स्थानीय प्रशासन की जानकारी के संभव नहीं है। ऐसे में बुढार एसडीएम की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि आखिर शहडोल जिला प्रशासन को यह अवैध कारोबार क्यों नहीं दिखाई दे रहा।

मेट्रो एंकर 1.89 करोड़ रुपये की समझौता राशि से हजारों लोगों को राहत

टूटते रिश्तों को मिला सहारा-लोक अदालत में सुलझे 63 पारिवारिक विवाद

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार न्यायालय परिसर में आयोजित नेशनल लोक अदालत में त्वरित और सुलह आधारित न्याय की मिसाल देखने को मिली। लोक अदालत में बड़ी संख्या में मामलों का निराकरण होने के साथ ही कई पारिवारिक विवाद भी आपसी सहमति से सुलझे, जिससे टूटते रिश्तों में फिर से विश्वास कायम हुआ।

लोक अदालत में कुल 8539 प्रकरण (लंबित एवं प्री-लिटिगेशन) रखे गए थे, जिनमें से 1397 मामलों का निराकरण किया गया। इन मामलों में कुल 1 करोड़ 89 लाख 64 हजार 407 रुपये की समझौता राशि तय हुई तथा 1736 व्यक्ति लाभान्वित हुए। नेशनल लोक अदालत में वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद से जुड़े 63 मामलों का आपसी समझौते से निराकरण किया गया। लंबे समय से चल रहे विवाद समाप्त होने पर संबंधित परिवारों ने राहत महसूस की।

लोक अदालत में बैंक प्री-लिटिगेशन के 2000 मामलों में से 10 का निराकरण कर 2,14,700 रुपये की राशि प्राप्त हुई। विद्युत विभाग के 2000 मामलों में से 196 का निराकरण कर 23,79,000 रुपये, नगर पालिका के 2300 मामलों में से 900 का निराकरण कर 15,71,240 रुपये तथा दूरसंचार विभाग के 300 मामलों में से 10 का निराकरण कर 78,000 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इसी प्रकार न्यायालय में लंबित 632 मामलों में से 281 का निराकरण कर 1,47,21,467 रुपये की समझौता राशि तय की गई। लोक अदालत के माध्यम से लोगों को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय मिला। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं संबंधित विभागों के सहयोग से आयोजन सफल रहा।

लोक अदालत: चरित्र शंका में पति करता था मारपीट, समझाइश के बाद दोनों खुशी-खुशी घर लौटे

महिला पुलिस की पहल से फिर बिखरने से बचा एक आशियाना

धार। दोपहर मेट्रो

महिला थाना पुलिस ने एक बार फिर एक टूटते हुए परिवार को नई जिंदगी दी है। आपसी विवाद और मनमुटाव के कारण अलग रह रहे पति-पत्नी को पुलिस ने काउंसलिंग के माध्यम से एक साथ रहने के लिए राजी कर किया है।

मामला आवेदिका रेखा (परिवर्तित नाम) का था, जिसकी शादी पांच साल पहले सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी। उनका एक तीन साल का बेटा भी है। आवेदिका ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका पति उस पर चरित्र की शंका कर मारपीट करता है। साथ ही सास-ससुर भी छोटी-छोटी बातों पर प्रताड़ित कर गाली-गलौज करते थे। विवाद इतना बढ़ा कि पति और ससुराल वालों ने उसे घर से निकाल दिया था। अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देशन, एएसपी विजय डावर व पारुल बेलापुरकर के मार्गदर्शन और डीएसपी आनंद तिवारी के विशेष निर्देशों पर महिला थाना प्रभारी ने इस मामले को प्राथमिकता दी। जाँच की जिम्मेदारी सउनि रामसिंह गौर को सौंपी गई।

रिश्ते के महत्व को समझाया

महिला थाना प्रभारी निरीक्षक क्लेर डामोर के नेतृत्व में पुलिस टीम और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की लेखा शर्मा की मौजूदगी में दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग-अलग बैठाकर परिवार और रिश्तों के महत्व को समझाया। पुलिस ने उन्हें समझाया कि आपसी झगड़े का सबसे बुरा असर उनके मासूम बच्चे के भविष्य पर पड़ेगा।

हंसी-खुशी विदा हुआ परिवार

पुलिस की समझाइश का सकारात्मक असर हुआ। पति ने अपनी गलती स्वीकार की और आश्वासन दिया कि वह भविष्य में पत्नी के साथ कोई वाद-विवाद या मारपीट नहीं करेगा और उसे पूरे सम्मान के साथ रखेगा। पत्नी ने भी गिले-शिकवे भुलाकर पति के साथ जाने पर सहमति जताई। इस सफल सुलह में निरीक्षक क्लेर डामोर, सउनि रामसिंह गौर, प्रधान आरक्षक रतन कटारे, सीता अलावा, आरक्षक राकेश देवल और महिला सैनिक पूजा कटारे की मुख्य भूमिका रही।

न्यूज विंडो

पीथमपुर में अवैध रिफिलिंग करते डेयरी संचालक पकड़ाया

धार। देशभर में जारी गैस की भारी किल्लत के बीच जिला प्रशासन ने अवैध कारोबारियों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। कलेक्टर धार के निर्देशन में खाद्य विभाग की टीम ने पीथमपुर में छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़ किया है। जांच टीम को सूचना मिली थी कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बगदुन रोड स्थित जय श्री महाकाल किराना एवं दूध डेयरी पर घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग की जा रही है। मौके पर पहुंची टीम ने जब दबिश दी तो दुकान मालिक विजय चौहान को अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। टीम ने मौके से 2 घरेलू गैस सिलेंडर, गैस रिफलिंग पाइप, रेगुलेटर और नोजल को जप्त किया है। दुकान मालिक विजय चौहान के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्रवाई में जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीराम बरड़े, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राहुल मंडलोई एवं लक्ष्य पैट्रिक पीथमपुर की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

राज्यमंत्री ने पांजी में सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

तेन्दूखेड़ा। जबेरा विधानसभा के विधायक व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम पांजी पहुंचे जहां पर उन्होंने 25 लाख रुपए की लागत से निर्माण होने वाले सामुदायिक भवन का भूमि पूजन किया। इसके पश्चात पिड़रई में 65 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया मंत्री लोधी ने कहा कि हम निरंतर विधानसभा में कार्य कर रहे हैं और प्रदेश में क्रमांक की विधानसभा बनाएंगे जिसके लिए सामुदायिक भवन के निर्माण से ग्राम वासियों को सामाजिक कार्य करने में सुविधा प्राप्त होगी। विवाह जैसे बड़े कार्य किए जा सकेंगे मेरा सपना है कि विधानसभा के प्रत्येक ग्राम में एक समुदाय एक भवन बनाया जायेगा। पिंडरई में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया गया है, जिससे कि ग्राम वासियों सहित अन्य ग्रामों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त होगी इसके पहले लोग तेंदूखेड़ा या दमोह इलाज के लिए जाते। लेकिन अब इलाज ग्राम में ही उपलब्ध रहेगी, जिसमें 24 घंटे एएनएम एवं सीएचओ सेवाएं देंगे। स्वास्थ्य के हम निरंतर कार्य कर रहे हैं एवं 2 बड़े-बड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तारादेही जैसे आउट एरिया में बनकर तैयार है और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोपरा में निर्माणधीन है जिसका जल्द ही लोकार्पण किया जाएगा। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सरेश जैन सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी पूर्व सांसद प्रतिनिधि डॉ परम सिंह लोधी विधायक प्रतिनिधि चेतन जैन डॉ पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव नेता पंडित नर्मदा प्रसाद दुबे परसोत्तम ठाकुर एवं सरपंच सचिव सहित ग्रामवासी मौजूद थे

नेशनल लोक अदालत में अनेक प्रकरणों का हुआ निराकरण

तेंदूखेड़ा। नगर में वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन न्यायाधीश पूजित कमल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण कर पक्षकारों को त्वरित न्याय प्रदान किया गया। नेशनल लोक अदालत के दौरान कुल 18 आपराधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। साथ ही दहेज प्रताड़ना से संबंधित एक प्रकरण, जो धारा 498ए के अंतर्गत था, को खारिज किया गया। इसके अतिरिक्त एक अपंजीकृत प्रकरण का भी आपसी समझौते के माध्यम से समाधान किया गया। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान से संबंधित प्रकरणों की भी सुनवाई की गई। इस दौरान 43 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 17,700 रुपये की राशि शासकीय मद में जमा कराई गई। इसी प्रकार नगर पालिका से संबंधित जलकर एवं संपत्ति कर के 257 प्रकरणों का भी सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिनसे कुल 4,49,000 रुपये की राजस्व राशि प्राप्त हुई। इस अवसर पर न्यायाधीश पूजित कमल ने कहा कि नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को त्वरित, सरल एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण होने से न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम होती है।

सीहोर में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति की बैठक

रेत के अवैध उत्खनन पर जवाब नहीं दे पाए अफसर, भड़क गए मंत्री शिवराज सिंह

सीहोर। दोपहर मेट्रो

नर्मदा नदी से हो रहे रेत के अवैध उत्खनन पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सख्ती की। उन्होंने मोबाइल से कलेक्टर बालागुरु को अवैध खनन का वीडियो दिखाया। माइनिंग अफसर धर्मेंद्र चौहान ने सफाई दी, हम कार्रवाई करते हैं। शिवराज ने फटकारते हुए कहा, जाकर देखा.. कल रात का ही यह वीडियो है। रात में खुलेआम पोकलेन-जेसीबी मां नर्मदा को छलनी कर रही है।

शिवराज सीहोर में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति की बैठक कर रहे थे। वे पैन ड्राइव साथ ले गए थे। कलेक्टर को पैन ड्राइव दिखाते हुए बोले-इसे यहीं चला दूं तो ठीक नहीं रहेगा। उन्होंने वन और कृषि विभाग के काम पर भी नाराजगी जताई। नर्मदा में अवैध खनन के मुद्दे को पत्रिका ने प्रमुखता से उठाया। रेत माफिया और अफसरों की मिलीभगत की पोल भी खोली। अब केंद्रीय कृषि मंत्री की अफसरों को फटकार के बाद इस पर सरकारी मुहर भी लग गई।

इन 3 अफसरों पर भड़के शिवराज

अर्चना पटेल, डीएफओ: आपके लोग खुलेआम वसूली कर रहे हैं। वन विभाग के कारण कई काम प्रभावित हो रहे हैं। 20-20 साल पुराने पट्टों की जांच के नाम पर रेंजर वसूली कर रहे हैं। नगर परिषद की जेसीबी ही जब्त कर ली।

धर्मेन्द्र चौहान, माइनिंग अफसर: विधायक रमाकांत भार्गव बोले-नदी से रेत का अवैध खनन हो रहा है। जो पैसे देता है, उसकी जेसीबी चलती.. जो नहीं देता, उसकी मशीन पकड़ते हो। शिवराज ने कहा, ये सभी वीडियो एक रात के हैं। कार्रवाई नहीं हो रही।

केके उपाध्याय, उपनिदेशक, कृषि- बोवनी के समय किसानों को केंद्र अनुदान देता है। बुदनी के किसानों को आवेदन के बाद भी अनुदान नहीं मिला। पहली बार नहीं मिला तो किसानों ने आवेदन करना बंद कर दिया। जांच करा दूं तो तुम पर अभी एफआइआर हो जाएगी।

चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, एक की तलाश जारी

औबैदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

थाना औबेदुल्लागंज पुलिस ने नकबजनी के दो मामलों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किया गया करीब 80 हजार रुपये का माल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 15 जनवरी की रात अज्ञात बदमाशों ने अलग-अलग घरों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और नगदी चोरी कर ली थी। पीड़ितों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने कासिफ उर्फ सोहिल (30) निवासी सतलापुर और प्रवीण उर्फ अन्ना (27) निवासी मंडीदीप को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से चांदी के जेवर और नगदी बरामद की है। मामले में फरार आरोपी प्रांजल चौहान की तलाश जारी

धार जिला जेल में सेंध..... बैरक में विचाराधीन बंदी के पास मिला मोबाइल, कैदी और बाहरी युवक पर किया केस दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

जिला जेल में औचक निरीक्षण में एक वार्ड से स्मार्टफोन और चार्जर बरामद हुआ। वार्ड क्रमांक 1 की बैरक संख्या 3 में टेलीविजन के रिसीवर के पास अखबार में लपेटकर रखा गया ओपो कंपनी का नेवी ब्लू एंड्रॉइड मोबाइल जब्त किया गया है।

जेल प्रहरी सुमित शर्मा द्वारा कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में बताया कि मुखबिर की सूचना या संदेह के आधार पर शुक्रवार सुबह 6 से 7 बजे के बीच जेल स्टाफ ने सभी वार्डों की सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान टीवी सेट के पास संदिग्ध वस्तु मिली जिसे खोलने पर मोबाइल चार्जर और केबल बरामद हुए। जेल प्रशासन की पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। बैरक में बंद विचाराधीन कैदी सुनील पिता संतोष ने स्वीकार किया है कि यह मोबाइल उसे बाहरी व्यक्ति अंकित पिता कमल ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने अब कैदी सुनील और बाहरी मददगार अंकित दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता कारागार अधिनियम की धारा 42 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जब्त किए गए जियो सिमऔर मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कैदी जेल के अंदर से किन-किन लोगों के संपर्क में था और क्या इसका उपयोग किसी आपराधिक साजिश के लिए किया जा रहा था। इस घटना ने जेल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जेल के मुख्य द्वार और दीवारें इतनी सुरक्षित मानी जाती हैं कि वहां से परिंदा भी पर नहीं मार सकता। ऐसे में एक पूरा मोबाइल सेट, चार्जर और केबल का अंदर पहुंच जाना गंभीर लापरवाही है।

जेल की ऊंची दीवारों और मल्टी-लेयर चेकिंग को पार करके बिना किसी अंदरूनी मदद के मोबाइल अंदर पहुंचना लगभग असंभव है। क्या जेल के ही किसी कर्मचारी ने अंकित से मोबाइल लेकर सुनील तक पहुंचाया। यह जांच का मुख्य विषय होना होगा, फिलहाल कोतवाली पुलिस ने आवेदन पर सुनील पिता संतोष और सहयोगी अंकित पिता कमल पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की है।

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, गंभीर हालत में रेफर

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग पर स्थित ग्राम धनगौर में एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिन्हें परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां से युवक को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार शाम करीब 5 बजे धर्मेंद्र पिता रामकुमार यादव उम्र 21 वर्ष निवासी धनगौर थाना तेंदूखेड़ा है जो कि धनगौर बस स्टैंड से बाइक से अपने घर जा रहा था तभी तेंदूखेड़ा की और से तारादेही तरफ जा रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सामने से जोरदार टक्कर मारकर भाग निकला। घटनास्थल पर मौजूद ग्राम के अन्य लोगों ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जहां घायल को स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां से डाक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद घायल को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं गांव के लोगों ने पिकअप वाहन का पीछा किया और बहेरिया चौराहे के समीप पकड़ लिया और चालक को वाहन सहित पुलिस थाने लेकर पहुंचे जहां पिकअप चालक ने बताया कि वह मंडला से सागर के गौरझामर जा रहा था लेकिन रास्ते में हादसा हो गया पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

मेट्रो एंकर

हर साल आग से जलती फसलें, फिर भी नहीं बढ़े दमकल के संसाधन

आग से निपटने के इंतजाम नाकाफी, 700 गांवों के लिए एक फायर ब्रिगेड

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गर्मियों की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं बढ़ने लगी हैं, लेकिन इन घटनाओं से निपटने के लिए जबेरा विधानसभा क्षेत्र में पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं हैं। स्थिति यह है कि तेंदूखेड़ा और जबेरा ब्लॉक के करीब 700 गांवों की सुरक्षा के लिए नगर परिषद के पास केवल एक ही फायर ब्रिगेड वाहन उपलब्ध है। इतनी बड़ी आबादी और क्षेत्रफल के लिए एक दमकल वाहन नाकाफी साबित हो रहा है, जिससे आग लगने की घटनाओं में किसानों और ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार जबेरा विधानसभा क्षेत्र में दो ब्लॉक तेंदूखेड़ा और जबेरा आते हैं। इन दोनों ब्लॉकों में कुल 132 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें तेंदूखेड़ा में 62 और जबेरा में 70 ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

इन पंचायतों के अंतर्गत लगभग 700 गांव आते हैं। इतनी बड़ी संख्या में गांवों की सुरक्षा के लिए प्रशासन के पास संसाधन के नाम पर केवल एक फायर ब्रिगेड है। जबकि नगर परिषद के पास एक और फायर ब्रिगेड वाहन मौजूद है, जो पिछले चार-पांच वर्षों से खराब हालत में पड़ा हुआ है और उसका उपयोग नहीं हो पा रहा है। गर्मी के मौसम में खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में आग लगने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। कई बार किसानों की मेहनत से तैयार फसल आग की भेंट चढ़ जाती है। पिछले वर्षों में भी कई गांवों में आगजनी की घटनाओं में किसानों की फसलें, दुकानें और घर जल चुके हैं, जिससे उन्हें लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा था। इसके बावजूद क्षेत्र में दमकल वाहनों की संख्या नहीं बढ़ाई गई है और न ही पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड नगर से 50 से 80 किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है। ऐसे में जब तक दमकल वाहन घटनास्थल तक पहुंचता है, तब तक आग काफी फैल चुकी होती है और भारी नुकसान हो जाता है। कई बार बड़ी घटनाओं के दौरान दमोह और जबलपुर जिले के पाटन क्षेत्र से भी दमकल बुलानी पड़ती है, लेकिन दूरी अधिक होने के कारण वह भी समय पर नहीं पहुंच पाती। सरकार ने कुछ वर्ष पहले पंचायतों को आग बुझाने के लिए उपकरण और टैंकर उपलब्ध कराए थे, लेकिन अधिकांश पंचायतों के पास ट्रैक्टर नहीं होने के कारण इन टैंकरों का उपयोग नहीं हो पाता। ग्रामीणों का कहना है कि आग लगने की स्थिति में पंचायत ट्रैक्टर नहीं होने का हवाला देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है, जिसके कारण लोग स्वयं ही आग बुझाने का प्रयास करते हैं। दूसरी ओर तेंदूखेड़ा में तैनात दमकल कर्मियों का कहना है कि उनके पास भी सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपकरण नहीं हैं। उनके पास फायर किट, मास्क, जूते और दस्ताने जैसी आवश्यक सामग्री का अभाव है। इतना ही नहीं, कई कर्मचारियों को आग बुझाने का प्रशिक्षण भी नहीं मिला है।

टीम इंडिया में पांच साल पूरे होने पर कप्तान सूर्यकुमार यादव का भावुक पोस्ट

भारत की जर्सी पहनना एक सपना था, यात्रा को बताया विश्वसनीय

मुंबई, एजेंसी

भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 5 साल पूरे होने पर खास संदेश साझा किया। उन्होंने अपने सफर को याद करते हुए इसे अविश्वसनीय यात्रा बताया। सूर्या को इस सफर के दौरान फैन्स, टीममेट्स और परिवार का पूरा सपोर्ट मिला है। जब सूर्यकुमार यादव ने पहली बार भारतीय टीम की जर्सी पहनी थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वह टी20 क्रिकेट के सबसे शानदार बल्लेबाजों में से एक बन जाएंगे।

सूर्यकुमार यादव ने एक खास वीडियो शेयर करते हुए लिखा, %पांच साल पहले, एक सपना हकीकत बना था। भारत की जर्सी पहनना एक ऐसा एहसास है, जिसे आज भी मैं पूरी तरह से शब्दों में बयां नहीं कर सकता। आने वाले समय में हम टीम के लिए और भी कई यादगार पल बनाएंगे।

सूर्यकुमार यादव को टीम इंडिया में जगह पाने के लिए काफी इंतजार करना पड़ा। घरेलू क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (में लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिला। उन्होंने इस मौके को दोनों हाथों से लपका और पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज वह टी20 फॉर्मेट में दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में गिने जाते हैं और एक समय नंबर-1 टी20 बल्लेबाज भी रह चुके हैं। सूर्यकुमार यादव ने अब तक 113 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 3272 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 36।35 और स्ट्राइक रेट 162।94 रहा है, जो टी20 क्रिकेट में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी को दर्शाता है। उनके नाम पर टी20 इंटरनेशनल में 4 शतक और 25 अर्धशतक भी दर्ज हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 117 रन है, जो उन्होंने 10 जुलाई 2022 को इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम में बनाया था।

सूर्या का कप्तान के तौर पर शानदार रिकॉर्ड

सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर ही नहीं, बल्कि कप्तान के रूप में भी खुद को साबित किया है. उन्होंने 52 टी20 इंटरनेशनल मैचों में भारत की कप्तानी की है, जिसमें टीम ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 मैचों में हार मिली. सूर्यकुमार उस भारतीय टीम का हिस्सा थे, जिसने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता था. इसके बाद कप्तान के तौर पर उन्होंने टीम को हाल ही में फिर से टी20 वर्ल्ड कप जिताकर इतिहास रच दिया. सूर्यकुमार यादव का पांच साल पहले शुरू हुआ यह सफर रिकॉर्ड्स और करोड़ों फैन्स के प्यार से भरा हुआ है. सूर्यकुमार की कहानी यह बताती है कि अगर मेहनत और धैर्य हो, तो देर से मिला मौका भी इतिहास लिख सकता है.

पीएसएल को नजरअंदाज करने पर बौखलाया पाकिस्तान

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी में पीसीबी

कराची, एजेंसी

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने आईपीएल को तवज्जो देते हुए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने से इनकार कर दिया था। अब पाकिस्तान मुजरबानी के इस फैसले से बौखला गया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। दरअसल, कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुजरबानी को अपनी टीम में शामिल किया था, जिसके बाद जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज ने पीएसएल की फ्रेंचाइजी इस्लामाबाद यूनाइटेड को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया था।

इस्लामाबाद युनाइटेड ने मुजरबानी से किया था करार-

मुजरबानी इससे पहले पीएसएल में मुल्तान सुल्तान को खिताब दिला चुके हैं। उन्हें 11 फरवरी को पीएसएल की नीलामी में किसी ने नहीं खरीदा था, लेकिन बाद में इस्लामाबाद फ्रेंचाइजी ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ की जगह मुजरबानी के साथ करार किया था। हालांकि, केकेआर के साथ करार करने के बाद मुजरबानी ने आईपीएल में ही खेलने का फैसला किया।

पाकिस्तान को रास नहीं आया फैसला

मुजरबानी का यह फैसला पाकिस्तान को जरा भी रास नहीं आया है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, पीसीबी मुजरबानी के फैसले को करार के उल्लंघन के रूप में देख रही है और कानूनी कार्रवाई के लिए विकल्पों पर विचार कर रही है। यह लगातार दूसरा साल है जब किसी खिलाड़ी ने पीएसएल करार पहले से होने के बावजूद आईपीएल को प्राथमिकता दी है। पिछले सीजन दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने भी ऐसा ही कदम उठाया था। उन्हें पेशावर जाल्मी ने चुना था। बाद में वह आईपीएल की टीम मुंबई इंडियंस से जुड़ गए थे।

मुजरबानी ने किया था प्रभावित

ब्लेसिंग मुजरबानी ने हाल में संपन्न टी20 विश्व कप 2026 में शानदार गेंदबाजी की थी और जिम्बाब्वे को सुपर-8 में पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। मुजरबानी ने 13 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुजरबानी के चार विकेट ने ही जिम्बाब्वे को ग्रुप स्टेज में जीत दिलाई थी। आईपीएल और पीएसएल का सत्र एक बार फिर टकरा रहा है। आईपीएल 28 मार्च से शुरू हो रहा है, जबकि पीएसएल 26 मार्च से तीन मई तक प्रस्तावित है।

रन आउट विवाद पर पाकिस्तानी क्रिकेटर सलमान आगा ने तोड़ी चुप्पी

बांग्लादेशी कप्तान को खूब सुनाया कहा-मैं तो खेल भावना दिखाता...

मीरपुर, एजेंसी

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में हुए विवादित रन आउट पर पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान अली आगा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि अगर वह बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज की जगह होते तो खेल भावना का पालन करते और इस तरह रन आउट नहीं करते। 13 मार्च (शुक्रवार) को मीरपुर के शेर-ए बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान यह घटना काफी चर्चा में रही।

यह घटना पाकिस्तान की पारी के 39वें ओवर में हुई। उस ओवर में मेहदी हसन मिराज की चौथी गेंद को मोहम्मद रिजवान ने हल्के से गेंदबाज की ओर खेल दिया। मिराज ने फॉलो-थ्रू में अपने जूते से गेंद को रोक लिया, लेकिन उसी दौरान नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े सलमान अली आगा से उनकी हल्की टक्कर हो गई। उस समय सलमान क्रीज से बाहर थे। सलमान अली आगा को लगा कि गेंद डेड हो चुकी है, इसलिए वह झुककर गेंद उठाने लगे, ताकि उसे मेहदी हसन मिराज को वापस दे सकें। लेकिन मिराज ने तुरंत गेंद उठाकर नॉन-स्ट्राइकर एंड के स्टम्प्स पर मारा और रन आउट की अपील कर दी। मैदानी अंपायर तनवीर अहमद ने पूरे मामले को तीसरे अंपायर के पास भेजा, जिन्होंने रिप्ले देखने के बाद सलमान को आउट करार दिया क्योंकि गेंद अब भी प्ले में थी और उनका बल्ला क्रीज के अंदर नहीं था।

नियमों के मुताबिक सही, लेकिन...

आउट होने के बाद सलमान अली आगा काफी नाराज दिखे और बांग्लादेश कप्तान से उनकी तीखी बहस भी हुई। बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सलमान ने कहा, मेरा मानना है कि क्रिकेट में स्पोर्ट्समैन स्पिरिट होनी चाहिए। जो मिराज ने किया वह नियमों के अनुसार सही है, लेकिन अगर आप मुझसे पूछें तो मैं इसे अलग तरीके से करता। मैं स्पिरिट ऑफ क्रिकेट को प्राथमिकता देता। सलमान अली आगा ने बताया कि उन्हें लगा था गेंद उनके पैड और बल्ले से लगकर रुक गई है, इसलिए अब रन-आउट नहीं किया जा सकता। सलमान कहते हैं, गेंद पहले मेरे पैड और फिर बल्ले से लगी थी। इसलिए मुझे लगा कि अब मुझे रन आउट नहीं किया जा सकता। मैं बस गेंद उठाकर उन्हें वापस देने जा रहा था। इस घटना के बाद सलमान अली आगा और बांग्लादेश के विकेटकीपर लिटन दास के बीच भी तीखी बहस हुई थी। हालांकि सलमान ने इसे हीट ऑफ द मोमेंट बताया। उन्होंने कहा, वह सब उस समय गरमा-गरमी में हुआ।

सबालेंका इंडियन वेल्स के फाइनल में

नई दिल्ली। आर्यना सबालेंका इंडियन वेल्स में पिछले चार साल में दो बार उपविजेता रहीं, जबकि एक बार विजेता बनी हैं। इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 28 मिनट तक चला। सबालेंका पिछले चार साल में तीसरी बार इंडियन वेल्स के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वह यहां दो बार उपविजेता रह चुकी हैं। अब फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की एलिना रायबकिना से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में रायबकिना ने यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की हार का बदला लेने का मौका

सबालेंका के लिए यह फाइनल बेहद अहम है। साल 2026 में सबालेंका ने अब तक 13 मैच खेले हैं, जिनमें से 12 में उन्हें जीत मिली है। उनकी एकमात्र हार इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रायबकिना के खिलाफ आई थी। ऐसे में रविवार को सबालेंका के पास न सिर्फ उस हार का बदला लेने का मौका होगा,बल्कि इंडियन वेल्स में अपने 0-2 के फाइनल रिकॉर्ड (दो बार रनर-अप रहना) को सुधारने की भी चुनौती होगी।

दो आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले गंभीर पहले भारतीय कोच

नई दिल्ली। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर अपना दूसरा आईसीसी खिताब हासिल किया। इससे पहले उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती थी। हालांकि पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि गंभीर की असली परीक्षा 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में होगी। साउथ अफ्रीका की कंडीशन में होगी असली परीक्षा गांगुली ने एक इंटरव्यू में कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा और वहां की परिस्थितियां टीम और कोच दोनों को चुनौती देंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि गंभीर मौजूदा टीम के साथ वहां भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने फाइनल तक अजेय सफर तय किया था, लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। गंभीर ने 2011 में बतौर खिलाड़ी वर्ल्ड कप जीता था, अब उन पर बतौर कोच भारत को वनडे का विश्व विजेता बनाने का दबाव है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

दुबई में धमाकों से परेशान एक्ट्रेस लीजा रे बोलीं-

सांस थामकर कब तक करूं इंतजार, बहुत मुश्किल हो रहा

मिडल ईस्ट इन दिनों बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हमलों के बाद, पूरे मिडल ईस्ट में जंग छिड़ी हुई है। हर तरफ सिर्फ धमाकों और सायरन का शोर सुनाई दे रहा है। दुबई में भी धमाके हो रहे हैं, जिस बीच कई सेलेब्स फंसे हुए थे। उनमें से एक बॉलीवुड एक्ट्रेस लीजा रे भी हैं, जिनका दुबई में अपना घर है। एक्ट्रेस वहां अपने पूरे परिवार के साथ रहती हैं। ऐसे में उन्हें वहां के माहौल से चिंता हो रही है।

लीजा रे ने इंस्टाग्राम पर दुबई में चल रहे हालातों पर एक कविता लिखी है। एक्ट्रेस का कहना है कि उनके लिए ये सबकुछ देखना काफी मुश्किल है, भले ही वहां की सुरक्षा या सरकार अच्छी हो। लीजा लिखती हैं, %हमारे दूसरे घर दुबई में जो कुछ भी हो रहा है, उसे देखना बहुत मुश्किल हो रहा है। हां, मुझे पता है कि यूएई के लोग अभी भी काफी सुरक्षित हैं और वहां की सरकार बहुत अच्छी है। ये बात मुझे अच्छे से मालूम है। लेकिन, वो अनिश्चितता। दोस्तों के बीच आ रहे मैसेज। सबके साथ-साथ सांस थामकर इंतजार करना।

ये कविता मैंने अचानक लिखी थी, बिना कोई बदलाव किए आज सुबह ही सबके लिए दी है – हर उस इंसान के लिए जो कहीं भी अस्थिरता के बीच जी रहा है। मेरे पति लेबनान में बड़े हुए हैं, जहां उनके सिर के ऊपर मिसाइलें चलती रहती थीं। ये कविता उनके हौसले की, उनकी फैमिली की हिम्मत की, और दुनिया भर की उन सारी फैमिलियों की तरफ से है – जिनके लिए नॉर्मल जिंदगी में सायरन की आवाज हमेशा शामिल रही है।

यह एक्ट्रेस भी बयां कर चुकी हैं अपनी पीड़ा

मिडल ईस्ट में टेंशन के चलते कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेज जैसे सोनल चौहान, ईशा गुप्ता, लारा दत्ता भी अपनी बात सामने रख चुकी हैं। लारा अपनी बेटी के साथ दुबई में अकेली थीं, जब वहां धमाकों का शोर सुनाई दे रहा था। ये पल उनके लिए काफी डरावना और इमोशन्स से भरा था। हालांकि अब लारा दत्ता समेत कई सेलेब्स वापस इंडिया आ चुके हैं।

मेट्रो बाजार

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार दुनिया की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। देश में मजबूत आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ पूंजी बाजार में भी संरचनात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। जब कई बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं नीतिगत अनिश्चितताओं के कारण अपनी विकास दर के अनुमान घटा रही हैं, भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। आईएमएफ के अनुसार, भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि चीन की विकास दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ ने यह भी अनुमान लगाया है कि पूरे वर्ष के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रह सकती है, भले ही अमेरिका द्वारा लंबे समय तक टैरिफ लगाए जाने की स्थिति बनी रहे।

इस महीने की शुरुआत में आईएमएफ ने कहा था कि 2026 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि में भारत का योगदान करीब 17 प्रतिशत तक हो सकता है, जिससे यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

आईएमएफ की शीर्ष 10 देशों की सूची में अमेरिका से वैश्विक जीडीपी वृद्धि में लगभग 9.9 प्रतिशत योगदान की उम्मीद है, इसके बाद इंडोनेशिया 3.8 प्रतिशत, तुर्की 2.2 प्रतिशत, सऊदी अरब 1.7 प्रतिशत और वियतनाम 1.6 प्रतिशत योगदान दे सकते हैं। वहीं, नाइजीरिया और ब्राजील का योगदान लगभग 1.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बाजार में उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं, धैर्य रखें रिटेल निवेशक-सेबी प्रमुख ने दी सलाह

नई दिल्ली । सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शनिवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत के पूंजी बाजार लगातार मजबूत और व्यापक होते जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में एक मीडिया कार्यक्रम में बोलते हुए सेबी प्रमुख ने रिटेल निवेशकों को सलाह दी कि वे बाजार के अल्पकालिक उतार-चढ़ाव पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया न दें। उन्होंने कहा, ÷रिटेल निवेशकों के लिए सबसे बेहतर रणनीति धैर्य बनाए रखना है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से, बड़े वैश्विक संकटों के बाद बाजार में फिर से सुधार देखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि भारत के पूंजी बाजार आकार, विविधता और मजबूती के मामले में तेजी से बढ़ रहे हैं। पांडे ने कहा, ÷हमारे बाजार लगातार गहरे और विविध हो रहे हैं और उनकी मजबूती भी बढ़ रही है, लेकिन जैसे-जैसे बाजार का आकार और जटिलता बढ़ती है, वैसे-वैसे वे वैश्विक घटनाओं से भी अधिक प्रभावित होने लगते हैं।÷ वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, तकनीकी बदलाव और ऊर्जा संकट अनिश्चितता में योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, ÷भू-राजनीतिक तनाव आर्थिक संबंधों को आकार दे रहे हैं। मध्य पूर्व में संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है।÷ उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है, जिसका प्रभाव वैश्विक पूंजी बाजारों पर भी पड़ा है। पांडे के अनुसार, आज के वित्तीय बाजारों की एक खासियत यह है कि उनमें अस्थिरता ज्यादा देखने को मिलती है, क्योंकि जानकारी और खबरें तेजी से पूरी दुनिया में फैलती हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि ऐसे दौर स्थायी नहीं होते।

सिनेमा का मकसद सिर्फ मनोरंजन नहीं संवेदनशीलता भी बड़ी जिम्मेदारी : झा

फिल्म निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा अक्सर गंभीर विषयों पर बेबाकी से अपनी राय रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने समाज में दमन और क्रांति के बीच गहरा संबंध बताते हुए कहा कि जब दमन एक निश्चित हद पार कर जाता है, तो क्रांति होना तय हो जाता है। यह किसी ट्रेन दुर्घटना की तरह अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे सुलगते हुए फूट पड़ती है।

प्रकाश झा ने बताया, ÷क्रांति स्वाभाविक और कुदरती प्रक्रिया है। ज्वालामुखी फटेगा ही। दमन से अंदर बहुत कुछ जमा होता रहता है और जब बर्दाश्त की सीमा पार हो जाती है, तो वह फूट पड़ता है। हम अचानक नींद से नहीं जागते। क्रांतियां भी धीरे-धीरे बनती हैं। समय सबसे बड़ा शिक्षक है। अगर हम समय के साथ जिएं और उसे समझें, तो वह हमें सब कुछ सिखा देता है।÷ प्रकाश झा का मानना है कि सिनेमा समाज को आईना दिखाने का माध्यम है।

यह दमन, असमानता और अन्याय जैसे मुद्दों पर बात कर सकता है, लेकिन हमेशा जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ। प्रकाश झा ने सिनेमा की जिम्मेदारी पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि फिल्ममेकर को हर संवाद, हर छवि और हर कहानी की संवेदनशीलता समझनी चाहिए। सिनेमा का मकसद सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ना और कुछ खास भावनाएं जगाना भी है। अगर आप कुछ कहना चाहते हैं, तो कहिए, लेकिन संवेदनशीलता के साथ। लोगों से कतराना नहीं चाहिए, अस्थिरता नहीं फैलानी चाहिए। रचनात्मक तरीके से बातचीत करनी चाहिए, इसे दिलचस्प और आकर्षक बनाए रखना चाहिए।

छत्तीसगढ़ की कांगेर घाटी में मिली अनोखी 'ग्रीन गुफा'

रायपुर। छत्तीसगढ़ की कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता और विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है। इसी उद्यान में अब एक नई और अनोखी प्राकृतिक स्थलाकृति गुफा सामने आई है, जिसे 'ग्रीन केव ' (ग्रीन गुफा) नाम दिया गया है। वन विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी किए जाने के बाद शीघ्र ही इस गुफा को पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (बस्तर, छत्तीसगढ़) में जनवरी 2026 में कोटमसर रेंज (कम्पार्टमेंट-85) के पास एक अद्भुत 'ग्रीन गुफा' (हरित गुफा) की खोज की गई है। यह गुफा चट्टानी पत्थर की चट्टानों पर काई और सूक्ष्मजीवी परतें (माइक्रोबियल परत) के कारण हरी आच्छादन करती है। यह कुटम्सर गुफा के पास स्थित है और अपने पर्यटक आकर्षणों का केंद्र बन रही है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अपनी उत्कृष्ट कार्स्ट विशेषताओं, भूमिगत चूना पत्थर की गुफाओं, महत्वपूर्ण जैव विविधता और समृद्ध स्थानिक प्रजातियों के लिए प्रसिद्ध है। इसकी तुलना भारत में स्थित अन्य विश्व धरोहर स्थलों जैसे कि केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम), मानस वन्यजीव अभयारण्य (असम) से की जा रही है। प्राकृतिक चमत्कारों के अलावा, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान एक उत्कृष्ट मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। धुरवा जनजातियों की उपस्थिति और गुफाओं में मानव बस्तियों के प्रमाण भी इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं।

न्यूज विंडो

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज, कई इलाकों में बारिश

नई दिल्ली। आज तड़के सुबह ही दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार पहाड़ी राज्यों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का दौर शुरू हो सकता है, जबकि उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ राज्यों में भी पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हल्की बारिश और आंधी की स्थिति बन सकती है।मौसम विभाग के अनुसार 15 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में, 15 और 18 मार्च को हिमाचल प्रदेश में, 15 और 16 मार्च को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में, तथा 16 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

ट्राले ने बाइक को रौंदा, तीन की मौत दो के शव क्षत-विक्षत मिले

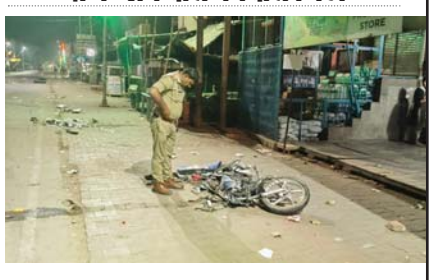

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद जिले में नवाबगंज कस्बा के चौराहे से रात 12.30 बजे एक बाइक सवार तीन युवक गुजर रहे थे। तभी मोहम्मदाबाद रोड की ओर से डस्ट भरे ट्राला ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक उछलकर 50 मीटर दूर जा गिरी।इस बीच तीनों युवकों के ऊपर से ट्राला के पहिये निकल गए। हादसे में दो युवकों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए और तीनों की मौत हो गई। ट्राला अनियंत्रित होकर मिश्रा बीज भंडार नाम की दुकान में पेड़ तोड़ते हुए घुस गया। इस दौरान चपेट में आई कार भी क्षतिग्रस्त हो गई।जानकारी पर पुलिस मौके पर मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक ट्राला चालक भाग गया था। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाइक पर एटा का नंबर लिखा है। उसके आधार पर मिले मोबाइल को पुलिस ने मिलाया, तो वह बंद जा रहा था।

जाति को लेकर दीं गंदी गालियां लिव-इन पार्टनर ने उतारा मौत के घाट

कोथाडी। कर्नाटक के कोथाडी में गुरुवार को एक 23 साल की महिला की कथित तौर पर उसके लिव-इन पार्टनर ने हत्या कर दी। आरोपी ने इसे आत्महत्या दिखाने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने जांच के बाद उसे हत्या के जुर्म में गिरफ्तार किया है।मृतक महिला की पहचान रंजीता एच.जी. के रूप में हुई और आरोपी की पहचान अयप्पा के.बी. के रूप में हुई है। यह जोड़ा एक किराए के मकान में साथ रह रहा था। अयप्पा एक ड्राई फ्रूट की दुकान में काम करता था, जबकि रंजीता घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती थी। दोनों ही कोडागु जिले के रहने वाले हैं।रंजीता की मां रानी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उनकी बेटी को अयप्पा से प्यार हो गया था। 31 दिसंबर, 2025 को वह अयप्पा को अपने घर ले गई और परिवार से उसे अपने बॉयफ्रेंड के तौर पर मिलवाया। उसने बताया कि वह शादी करना चाहती है।

आपस में ही लड़ रहे कई सदस्य देश, साझा रुख तय करना हुआ कठिन

युद्ध के कारण ब्रिक्स देशों में उपजे कई मतभेद, भारत की बढ़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत ने कहा है कि वह ब्रिक्स का साझा रुख विकसित करने का प्रयास कर रहा है, हालांकि सदस्य देशों के बीच मतभेदों के कारण अब तक आम सहमति नहीं बन पाई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा कि ब्रिक्स के कुछ सदस्य देश इस संघर्ष में सीधे शामिल हैं, जिसकी वजह से ग्रुप के लिए एक साझा रुख तय करना कठिन हो गया है। ऐसे में ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में भारत के सामने चुनौती है कि पश्चिम एशिया के इस संघर्ष पर ब्रिक्स का एक साझा रुख कैसे तैयार किया जाए।

उन्होंने कहा कि भारत 'शेरपा चैनल' के माध्यम से 11 ब्रिक्स देशों के बीच चर्चा को आगे बढ़ा रहा है। अंतिम शेरपा बैठक 12 मार्च को डिजिटल माध्यम से आयोजित की गई थी। जायसवाल ने कहा, हम एक साझा रुख तय करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अलग-अलग विचारों के कारण आम सहमति नहीं बन पाई है।

विदेश मंत्रालय ने प्रवक्ता ने बताया कि, हम ब्रिक्स सदस्य देशों के साथ लगातार संपर्क में हैं ताकि इस संघर्ष पर कोई साझा रुख तय किया जा सके।वर्तमान में ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है, लेकिन संकट पर नई दिल्ली द्वारा संयुक्त बयान जारी करना नाजुक स्थिति है, क्योंकि ब्रिक्स के तीन सदस्य देश- ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब इस संघर्ष में शामिल हैं।

» 'शेरपा चैनल' के माध्यम से सहमति की कोशिश

ईरान ने एकजुटता का आह्वान किया

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अरागची के बीच हुई फोन पर बातचीत हुई। ईरान-इजरायल-अमेरिका संघर्ष शुरू होने के दो सप्ताह बाद से यह उनकी चौथी वार्ता थी - तेहरान ने बिगड़ती स्थिति पर ब्रिक्स की एकजुटता का आह्वान किया है।

सदस्यों में कई बड़े देश शामिल

ब्रिक्स समूह में शुरुआत में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। 2024 में विस्तार कर मिस्र, इथोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया, जबकि 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हो गया। ब्रिक्स अब एक प्रभावशाली समूह बनकर उभरा है, जिसमें दुनिया की 11 बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देश शामिल हैं।

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच गुड न्यूज

यूएई, ओमान और सऊदी अरब से अपने यात्रियों को निकालेगी एअर इंडिया

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच रविवार को एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस इस क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 72 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ाने संचालित करने वाली हैं।

दोनों एयरलाइंस जेद्दा और मस्कट के लिए अपनी-अपनी निर्धारित सेवाएं जारी रखेंगी, जिसमें भारत और जेद्दा के बीच कुल 8 उड़ानें शामिल हैं। एयरलाइन ने बताया, 'इनमें से एअर इंडिया दिल्ली और मुंबई से एक-एक वापसी सेवा संचालित करेगी, जबकि एअर इंडिया एक्सप्रेस बेंगलुरु और कोझिकोड से भी एक-एक उड़ान संचालित करेगी। 'एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए और वहां से 12 निर्धारित उड़ानें भी संचालित करेगी, जिसमें दिल्ली, कोच्चि, कोझिकोड, मंगलुरु, मुंबई और तिरुवनंतपुरम से सेवाएं शामिल हैं। इसके अलावा, एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के लिए और वहां से कुल 52 गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी। यह उस समय प्रस्थान स्टेशनों पर स्लॉट की उपलब्धता और अन्य मौजूदा स्थितियों पर निर्भर करेगा।

एसआई परीक्षा में विवादित प्रश्न

आस्था पर न की जाए टिप्पणी अपराधी प्रतिबंधित हो: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस में एसआई भर्ती परीक्षा में एक प्रश्न को लेकर उठा विवाद तूल पकड़ रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी इस पर टिप्पणी की है। उन्होंने सभी भर्ती बोर्ड के अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं। कहा कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ, संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए। सीएम ने कहा कि सभी पेपर सेटर्स को भी यह निर्देशित किया जाए। आदतन अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए। यह विषय पेपर सेटर्स के एमओयू का भी हिस्सा बनाएं।

यह है पूरा मामला

यूपी एसआई परीक्षा के पहले दिन एक प्रश्न ने सोशल मीडिया पर हंगामा खड़ा कर रखा है। दरअसल एक प्रश्न के उत्तर में एक जाति को शामिल कर दिया गया है। परीक्षा में पूछे गए इस प्रश्न में अवसर के अनुसार बदलने वाला' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द का चयन करना था। इसके लिए चार विकल्प दिए गए थे। इसमें चार विकल्पों में पहला है सदाचारी, दूसरा पंडित, तीसरा अवसरवादी और चौथा निष्कपट। तीन विकल्प तो किसी व्यक्ति के गुण या अवगुण के होते हैं लेकिन एक विकल्प एक जाति से जुड़ा हुआ था।

» चाचा विजय भोसले का खुलासा, कहा- रुद्राक्ष पहनकर आता था मंदिर

मोनालिसा को दीदी और बहन कहता था फरमान

खरगोन, एजेंसी

महेश्वर की मोनालिसा के चाचा ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। चाचा विजय भोसले ने कहा है कि फरमान खान मोनालिसा को बहन मानते हुए उसे दीदी कहता था। उन्होंने कहा कि इस रिश्ते को तार-तार करते हुए शादी किए जाने से हम सब सदमे में हैं। विजय भोसले ने फोन पर चर्चा करते हुए बताया कि फरमान उज्जैन के महाकाल मंदिर में दर्शन करने के लिए आया था और उसने हिंदू धर्म के मुताबिक रुद्राक्ष की माला टीका आदि धारण किए हुए थे।वह मोनालिसा को हमेशा बहन मानते हुए दीदी कह कर पुकारता था। हमें नहीं मालूम था कि दीदी पुकारने वाला व्यक्ति इस रिश्ते को तार-तार कर देगा। उन्होंने कहा कि हमारे साथ धोखा हुआ है। उन्होंने बताया कि फरमान ने छुप-छुप कर रील और गाने डालकर मोनालिसा और उसके पिता को प्रभावित कर लिया। उन्होंने कहा कि केवल मोनालिसा नहीं पूरे परिवार को फंसाया गया। उन्होंने कहा कि वह कहता था कि एक महीने की ट्रेनिंग में कहां से कहां पहुंच जाओगे, ऐसी लाइफ बनेगी कि हमको याद करोगे।

मुझे पापा और अंकल बोलता था

विजय भोसले ने बताया कि मुझे पापा या अंकल बोलता है। उन्होंने बताया कि फरमान और उसके साथियों ने सनोज मिश्रा और ट्रेनर महेंद्र लोधी के खिलाफ भड़का कर उनसे दूर कर दिया और उसे केरल ले गए। विजय ने बताया कि उनकी मां की तबीयत खराब होने पर उन्होंने छोटे भाई जय भोंसले को फोन लगाकर वापस महेश्वर आने को कहा। जय ने मोनालिसा को इस बारे में बताया तो उसने कहा कि पापा वापस चलते हैं, जय सिंह ने फरमान को राशि देकर उसे अगले दिन के खुद और मोनालिसा के एयर टिकट करा लिए।

मेट्रो एंकर

युद्ध के कारण तेल की कीमतों में भारी उछाल, कीमतें निर्धारण को लेकर असमंजस में पाक सरकार

'तेल दुविधा' में पाकिस्तान, आईएमएफ को खुश करें तो जनता नाराज

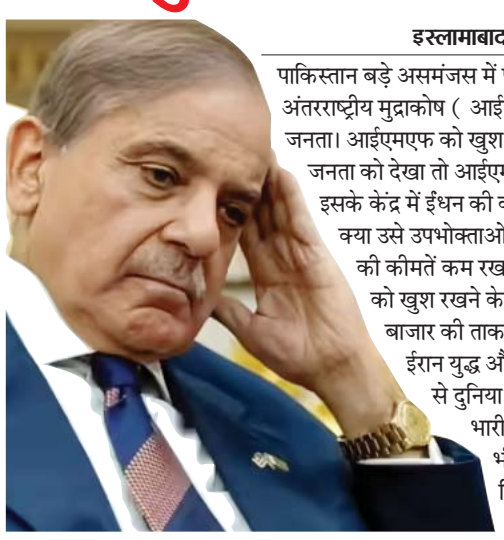

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान बड़े असमंजस में फंसा है। इसमें एक तरफ अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) है तो दूसरी ओर जनता। आईएमएफ को खुश करने पर जनता बिगड़ेगी। जनता को देखा तो आईएमएफ से किया वादा टूटेगा। इसके केंद्र में ईंधन की कीमतें हैं। सामने सवाल है- क्या उसे उपभोक्ताओं को बचाने के लिए ईंधन की कीमतें कम रखनी चाहिए या आईएमएफ को खुश रखने के लिए कीमतों का निर्धारण बाजार की ताकतों पर छोड़ देना चाहिए ईरान युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से दुनिया भर में तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। पाकिस्तान भी इसकी मार झेल रहा है। विदेशी मदद से चल रहा यह देश ऐसी स्थिति में फंस गया है जिसे जानकार 'तेल की दुविधा' कह रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए आईएमएफ की शर्तों को पूरा करना बहुत जरूरी है। तभी उसे बेलआउट पैकेज (आर्थिक मदद) लगातार मिलते रहेंगे। इस वैश्विक संस्था ने इन पैकेजों के लिए एक कड़ी शर्त रखी है। इसमें पाकिस्तान को निर्देश दिया गया है कि वह लंबे समय तक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए बाजार-आधारित मूल्य निर्धारण का पालन करे। आईएमएफ ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि वह संकट के समय में भी पेट्रोलियम उत्पादों पर किसी भी तरह की सब्सिडी न दे।

पाकिस्तान ने ये कदम उठाए

» चार-दिन का कार्य-सप्ताह शुरू करना

» दो हफ्तों के लिए स्कूल और विवि बंद करना

» सरकारी ईंधन भत्तों में 50% की कटौती करना

दबाव में पाकिस्तान

वर्चुअल बातचीत के दौरान आईएमएफ ने पाकिस्तान से कहा कि वह पेट्रोल और डीजल की कीमतें तुरंत बढ़ाए ताकि वे मिडिल-ईस्ट में चल रहे संघर्ष के कारण दुनिया भर में तेल की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी को दर्शा सकें। सरकार पर 30 जून, 2026 तक 1,468 अरब रुपये का 'पेट्रोलियम डेवलपमेंट लेवी' इकट्ठा करने का लक्ष्य पूरा करने का भी दबाव है। यह आईएमएफ की ओर से तय की गई एक अहम आर्थिक शर्त है। इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर पहले से ही दिखने लगा है। जैसे-जैसे ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स का खर्च बढ़ रहा है, सब्जियों, फलों और दूसरी जरूरी चीजों की कीमतें भी बढ़ गई हैं। कीमतों में इस उछाल से आम लोगों में भारी परेशानी है। खासकर इसलिए क्योंकि यह सब रमजान के पवित्र महीने के दौरान हो रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564